राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारित

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार, 18 जुन 2022 वर्ष-5,अंक-143 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

'अग्निपथ पर अग्निकांड'

अबतक 2 की मौत, बिहार में डिप्टी सीएम और बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष के घर पर अटैक...

(एजेंसी)

सैनिकों की भर्ती से जुड़ी केंद्र सरकार की अग्निपथ योजना (**Agnipath Scheme**) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कई राज्यों में फैल गया है. शुक्रवार को देश के अलग-अलग हिस्सों में प्रोटेस्ट ने हिंसा की भयानक शक्ल का रूप ले लिया. बिहार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और तेलंगाना, पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में रेलवे समेत सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया. इसके साथ ही कई ट्रेन के डिब्बों (**Trains Set on Fire**) को भी प्रदर्शन की आग में झोंक दिया गया. सरकार और विपक्ष दोनों के दावे अलग-अलग हैं, लेकिन इसका खामियाजा देश भुगत रहा है. रेलवे अधिकारियों ने कहा कि कम से कम 200 ट्रेन का परिचालन प्रभावित हुआ. प्रदर्शनों के बाद से 35 ट्रेन रद्द की गईं और 13 की यात्रा डेस्टिनेशनल से पहले ही खत्म करनी पड़ी. उत्तर प्रदेश से लेकर तेलंगाना और बिहार से लेकर मध्य प्रदेश तक, देश के विभिन्न हिस्सों में आक्रोशित युवाओं की भीड़ ने ईंट-पत्थर फेंके. वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने भर्ती योजना को लेकर पैदा चिंताओं को भी दूर करने की कोशिश की. अग्निपथ योजना पर सियासी बयानबाजी के बीच थल सेना प्रमुख मनोज पांडे ने भी साफ कर दिया है कि बहुत जल्द अग्निपथ योजना के लिए नोटिफिकेशन आएगा और इसका शेड्यूल जारी कर दिया जाएगा.

पहला कॉलम

राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत के भाई अग्रसेन के ठिकानों पर सीबीआई की रेड

जोधपुर । राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के भाई अग्रसेन के ठिकानों पर सीबीआई की छापेमारी चल रही है। अग्रसेन के जोधपुर स्थित आवास पर छापेमारी चल रही है। मंडोर में मौजूद उनके मकान में शुक्रवार सुबह से सीबीआई के अधिकारी जांच पड़ताल में जुटे हुए हैं। इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी रेड डाल चुकी है। अभी यह साफ नहीं है कि उर्वरक घोटाला केस में ही छापेमारी की जा रही है या फिर अन्य किसी मामले में सीबीआई यहां पहुंची है। अग्रसेन गहलोत पर यूपीए सरकार के दौरान 2007 से 2009 के बीच सब्सिडी वाले उर्वरक को निर्यात करने का आरोप है। किसानों को सब्सिडी पर मिलने वाले म्यूरिएट ऑफ पोटाश को विदेश में निर्यात करने पर कस्टम डिपार्टमेंट ने उन पर 60 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था। ईडी भी उनके ठिकानों पर छापेमारी कर चुकी है। पिछले साल सितंबर में उनसे करीब 7 घंटे तक पूछताछ भी हुई थी। यह छापेमारी ऐसे समय पर चल रही है जब राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत राजस्थान में तीन सीटों पर जीत हासिल करने के बाद उत्साहित हैं और इन दिनों दिल्ली में राहुल गांधी से ईडी की पूछताछ के दौरान विरोध प्रदर्शन में सक्रिय रहे हैं।

सैन्य अभ्यर्थियों के संघर्ष में उनके साथ खड़ा हूं-वरुण गांधी

पीलीभीत । विभिन्न मुद्दों को लेकर अपनी ही सरकार को घेरने और कोसने का कोई भी मौका नहीं चूकने वाले भाजपा सांसद वरुण गांधी ने अब अग्निपथ योजना के कारण आन्दोलित युवाओं के पक्ष में ट्वीट किया है। साथ ही उन्होंने निवेदन किया है कि धैर्य से काम लें और लोकतांत्रिक मर्यादा बनाए रखते हुए अपने ज्ञापन विभिन्न माध्यमों से सरकार तक पहुंचाएं। पीलीभीत से भाजपा सांसद वरुण गांधी ने ट्वीट करते हुए लिखा, 'सैन्य अभ्यार्थियों के इस संघर्ष में मैं हर कदम पर उनके साथ खड़ा हूं, आप सभी से विनम्र निवेदन है कि धैर्य से काम लें और लोकतांत्रिक मर्यादा बनाए रखते हुए अपने ज्ञापन विभिन्न माध्यमों से सरकार तक पहुंचाएं सुरक्षित भविष्य हर युवा का अधिकार है न्याय होगा।' इससे पूर्व भाजपा सांसद ने केंद्र सरकार द्वारा लांच की गई योजनाओं के नीतिगत तथ्यों को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पत्र भी लिख चुके हैं सांसद वरुण गांधी ने इस पत्र के जरिए युवाओं के सामने अति शीघ्र योजना से जुड़े नीतिगत तथ्यों को रखने की बात कही थी।

प्रधानमंत्री मोदी युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रयासरत: नड्डा

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने रक्षा सेवाओं में भर्ती संबंधी 'अग्निपथ योजना में शामिल होने की अधिकतम उम्र सीमा बढ़ाने के केंद्र सरकार के फैसले की सराहना कर कहा कि यह निर्णय साबित करता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी युवाओं की चिंताओं से वाकिफ हैं। उल्लेखनीय है कि 'अग्निपथ योजना के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों और इस दौरान रेलगाड़ियों में आगजनी, सार्वजनिक और पुलिस वाहनों में आग लगाए जाने की घटनाओं के बीच सरकार ने गुरुवार को वर्ष 2022 के लिए इस प्रक्रिया के तहत भर्ती की उम्र पूर्व में घोषित 21 साल से बढ़ाकर 23 साल कर दी थी। नड्डा ने ट्वीट में कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने 'अग्निपथ योजना' के अंतर्गत भाग लेने वाले युवाओं की आयु सीमा को अब 21 वर्ष से बढ़ाकर 23 वर्ष करने का निर्णय लिया है। यह फैसला साबित करता है कि पीएम मोदी जी देश के युवाओं की चिंता से अच्छी तरह अवगत हैं। उन्होंने कहा, साथ ही प्रधानमंत्री उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए भी प्रयासरत हैं। इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री मोदी का अभिनंदन!'' सरकार ने दशकों पुरानी रक्षा भर्ती प्रक्रिया में आमूलचूल परिवर्तन करते हुए सेना के तीनों अंगों में सैनिकों की भर्ती संबंधी 'अग्निपथ' योजना की मंगलवार को घोषणा की थी, जिसके तहत सैनिकों की भर्ती चार साल की अवधि के लिए संविदा आधार पर की जाएगी। योजना के तहत सेना के तीनों अंगों में इस साल करीब 46,000 सैनिक भर्ती किए जाएंगे। चयन के लिए पहले पात्रता आयु साढ़े सत्रह वर्ष से 21 वर्ष के बीच तय की गई थी। बाद में अधिकतम आयुसीमा 23 वर्ष कर दी गई। भर्ती के बाद सेना में शामिल युवाओं को 'अग्निवीर' नाम दिया जाएगा।

राष्ट्रीय राजमार्ग के नेटवर्क को 2025 तक दो लाख किलोमीटर तक पहुंचाने के लिए काम जारी: गडकरी

नई दिल्ली ।

केंद्रीय परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नीतिन गडकरी ने कहा कि मोदी सरकार वर्ष 2025 तक राष्ट्रीय राजमार्ग के नेटवर्क को दो लाख किलोमीटर तक पहुंचाने की दिशा में काम कर रही है। गडकरी ने बुनियादी ढांचे के विकास में गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करने के लिए नए विचारों, शोध निष्कर्षों और प्रौद्योगिकियों के लिए 'इनोवेशन बैंक' की स्थापना का भी प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा, हमारी सरकार वर्ष 2025 तक राष्ट्रीय राजमार्ग के नेटवर्क को दो लाख किलोमीटर तक पहुंचाने के लिए काम कर रही है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि पिछले आठ साल के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग की लंबाई 50 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 1.47 लाख किलोमीटर हो गई है, जो 2014 में 91,000 किलोमीटर थी। उन्होंने कहा कि सरकार पूर्वोत्तर राज्यों में विकास के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है, राष्ट्रीय राजमार्ग और बुनियादी ढांचा विकास निगम (एनएचआईडीसीएल) इस क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। गडकरी ने कहा, ''पूर्वोत्तर क्षेत्र में अबतक 45,000 करोड़ रुपये की लागत से 2,344 किलोमीटर राजमार्ग का निर्माण हुआ है।''

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव को लेकर राजनाथ सिंह का बड़ा बयान, कहा- साल के अंत तक हो सकते हैं इलेक्शन

जम्मू। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कश्मीर के दो दिवसीय दौरे पर हैं। यहां एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने इस साल के अंत तक विधानसभा चुनाव कराने के संकेत दिए। उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में परिसीमन की कवायद हाल ही में पूरी हुई है। जिसके बाद अब कश्मीर में 47 और जम्मू में 43 सीटों के साथ सीटों की संख्या बढ़कर 90 हो गई है। वहीं, रक्षा मंत्री ने शुक्रवार को ही जम्मू-कश्मीर के पहलगाम रिसार्ट में हिमालयन म्यूजियम का उद्घाटन किया। यह म्यूजियम जवाहर इंस्टीट्यूट आफ माउंटेनियरिंग एंड विंटर स्पोर्ट्स में बनाया गया है। आधिकारिक तौर से जारी किए गए एक बयान में बताया गया है कि राजनाथ सिंह ने घाटी में सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा की। वहीं, इस दौरान उन्होंने कर्नल के एस माल बोल्डर क्लाइंबिंग वाल का भी उद्घाटन किया। रक्षा मंत्री के दौरे के बारे में अधिक जानकारी देते हुए बताया गया है कि उन्होंने जवाहर इंस्टीट्यूट आफ माउंटेनियरिंग की कार्यकारी परिषद और आम सभा की बैठक में भाग लिया। इस दौरान उनके साथ जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा भी मौजूद रहे। वहीं, गुरुवार को रक्षा मंत्री ने उत्तरी कश्मीर के बारामूला के फार्वड इलाकों का दौरा किया। जहां उन्होंने सेना के जवानों को संबोधित किया और घाटी में सुरक्षा स्थिति के बारे में भी जानकारी ली।

अग्निपथ योजना जल्दबाजी में युवाओं पर थोपी जा रही है: प्रियंका

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने तीनों सेनाओं में भर्ती की नई अग्निपथ योजना को लेकर शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि उन्हें अपने मित्रों की आवाज के अलावा कुछ सुनाई नहीं देता। वहीं पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने मांग की कि इस योजना को तत्काल वापस लिया जाना चाहिए। राहुल गांधी ने ट्वीट किया कि अग्निपथ नौजवानों ने नकारा, कृषि कानून - किसानों ने नकारा, नोटबंदी - अर्थशास्त्रियों ने नकारा, जीएसटी - व्यापारियों ने नकारा। उन्होंने आरोप लगाया कि देश की जनता क्या चाहती है, ये बात प्रधानमंत्री नहीं समझते क्योंकि उन्हें अपने मित्रों की आवाज के अलावा कुछ सुनाई नहीं देता। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने ट्वीट किया कि 24 घंटे भी नहीं बीते कि भाजपा सरकार को नयी आर्मी भर्ती का नियम बदलना पड़ा। मतलब, योजना जल्दबाजी में युवाओं पर थोपी जा रही है। उन्होंने कहा, नरेंद्र मोदी इस योजना को तुरंत वापस लीजिए, वायुसेना की रुकी भर्तियों में नियुक्ति और परिणाम दीजिए। सेना भर्ती को (आयु में छूट देकर) पहले की तरह कीजिए। उल्लेखनीय है कि सरकार ने दशकों पुरानी रक्षा भर्ती प्रक्रिया में आमूल-चूल परिवर्तन करते हुए तीनों सेनाओं में सैनिकों की भर्ती संबंधी 'अग्निपथ' योजना की मंगलवार को घोषणा की थी, जिसके तहत सैनिकों की भर्ती चार साल की अवधि के लिए संविदा आधार पर की जाएगी।

नूपुर की जुबान काटने पर एक करोड़ इनाम घोषित करने वाला भीम सेना चीफ गिरफ्तार

नई दिल्ली ।

पैगंबर खिलाफ कथित तौर पर विवादास्पद टिप्पणी करने वालीं भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा को धमकाने के मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने भीम सेना प्रमुख नवाब सतपाल तंवर को गिरफ्तार कर लिया है। सतपाल तंवर ने बीते दिनों ऐलान किया था कि जो भी नूपुर शर्मा की जुबान काटकर लाएगा, उसे एक करोड़ का इनाम दिया जाएगा। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस (आईएफएसओ) यूनिट ने नवाब सतपाल तंवर को गुरुग्राम स्थित आवास से गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी ऐसे वक्त में की गई है, जब गुरुग्राम पुलिस ने तंवर के खिलाफ विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने, उकसाने, जानबूझकर अपमान करने और आपराधिक धमकी देने की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। भाजपा यूथ विंग की अध्यक्ष सर्वप्रिया त्यागी ने सतपाल तंवर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। साइबर सेल के एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने कहा कि हमने वीडियो को संज्ञान में लिया, जिसमें उन्हें जानलेवा धमकी वाले बयान देते हुए सुना जा सकता है और वह वीडियो के जरिए नफरत फैलाने की कोशिश करते दिखते हैं। इसलिए सतपाल तंवर को गुरुग्राम से अरेस्ट किया है। उन पर आईपीसी की धारा 506 (आपराधिक धमकी), 509 (एक महिला का अपमान) और 153 ए (विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने कहा कि तंवर ने कथित तौर पर जान से मारने की धमकी दी है और पहले भी इनाम की घोषणा की है। साइबर सेल की टीम उससे पूछताछ कर रही है।

'अग्निपथ' पर बवाल से पूर्व सेना प्रमुख नाराज कहा नहीं चाहिए गुंडागर्दी करने वाले

नई दिल्ली । करगिल युद्ध के दौरान भारतीय सेना के प्रमुख रहे जनरल वीपी मलिक ने अग्निपथ योजना का समर्थन किया है। साथ ही उन्होंने इस योजना का विरोध करने वालों पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि गुंडागर्दी में शामिल लोगों को सेना भर्ती नहीं करना चाहती। देश के कई हिस्सों में सेना भर्ती की इस कम अवधि की नीति के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की खबरें सामने आई थी। जनरल मलिक ने कहा, 'हमें यह समझना होगा कि सशस्त्र बल वॉलिंटियर फोर्स है। यह कोई कल्याणकारी संगठन नहीं है और इसमें सबसे अच्छे लोगों का होना जरूरी है, जो देश के लिए लड़ सकें, जो देश की रक्षा कर सके।' उन्होंने कहा, 'उन लोगों को हम सेना में नहीं चाहते, जो लोग गुंडागर्दी, बस और ट्रेन जलाने में शामिल हैं। हालांकि, इस दौरान उन्होंने इस बात में सहमति जताई कि कुछ लोग हैं, जो 'जब हमने भर्ती प्रक्रिया बंद की थी, तो वे अपना टेस्ट पूरा नहीं कर सके थे।' उन्होंने कहा, 'इनमें से कुछ लोग उम्र की सीमा पार कर गए होंगे। वे अग्निपथ योजना के लिए पात्र नहीं होंगे। ऐसे में उनकी परेशानी को मैं समझता हूं।' जनरल मलिक ने इस बात के संकेत दिए हैं कि उम्मीदवारों को नौकरी को लेकर परेशान नहीं होना चाहिए, क्योंकि सरकार ने पुलिस और अर्धसैनिक बलों में लेटरल एंट्री का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा, 'बड़ी संख्या में निजी क्षेत्र में भर्ती की जाएगी, हालांकि नौकरी की गारंटी अभी नहीं है। पूर्व सेना प्रमुख से सवाल किया गया कि सेना में प्रशिक्षण लेने वालों के चार साल के बाद बाहर जाने से परेशानी होगी या नहीं। इसपर उन्होंने कहा कि 'बेहतर शिक्षित और टेक सेवी' को भर्ती करने पर जोर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, 'आईटीआई और अन्य तकनीकी संस्थानों से लोगों को लाने का प्रयास है। उन्हें बोनस पॉइंट्स दिए जाएंगे और वे इस तरह के लोग हैं, जैसे हमें सशस्त्र बलों में चाहिए।' उन्होंने बताया कि ऐसे लोगों को विस्तार दिया जाएगा। जनरल मलिक ने कहा, 'योजना को शुरू होने दें। एक बार हमें पता लग जाएगा कि खामियां कहा हैं, इनमें सुधार किया जा सकता है।'

भागवत ने एबीवीपी कार्यकर्ताओं को नसीहत दी, कहा प्रभु राम के आदर्शों का जीवन में अनुसरण करें

हैदराबाद ।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने गुरूवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं को सलाह दी कि वे अपनी सफलता से संतुष्ट न हों बल्कि भगवान राम के आदर्शों का अनुकरण करें। भागवत ने यहां एबीवीपी की तेलंगाना इकाई के नए कार्यालय भवन का उद्घाटन करते हुए यह बात कही। उद्घाटन के बाद शाम को यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए भागवत ने एबीवीपी के शीर्ष छात्र संगठन के रूप में उभरने के कठिन दौर को याद किया। उन्होंने कहा कि अन्य छात्र संगठनों के सदस्य पहले एबीवीपी कार्यकर्ताओं का मजाक उड़ाते थे कि संगठन ने देवी सरस्वती की पूजा करने और परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित करने के अलावा कुछ नहीं किया। संघ प्रमुख ने कहा कि अब यह कहने की किसी की हिम्मत नहीं है। मोहन भागवतने कहा कि जो लोग एबीवीपी को महत्वहीन मानते थे, वे अब संगठन को शीर्ष पर पाते हैं और कड़ी मेहनत के कारण यह बदलाव संभव हुआ है। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा 'ऐसे लोग हैं जो सोचते हैं कि वे ही सही हैं, और बाकी सभी गलत हैं। जब यह उनके खिलाफ जाता है, तो वे सच्चाई और न्याय को दबाने की पूरी कोशिश करेंगे। लेकिन सच्चाई हिंसा से नहीं मरती। इसके अलावा उन्होंने कहा कि आरएसएस के कार्यकर्ताओं ने बहुत त्याग किया है और उनके समर्पण के कारण ही हम एक संस्था की स्थापना करने में सक्षम हैं। मोहन भागवत ने कहा मैं तेलंगाना के एबीवीपी कैडर के संपर्क में रहा हूं। मैंने देखा है कि आप सभी बाधाओं के बावजूद राज्य में जो लड़ाई लड़ रहे हैं। यहां इस भवन का उद्घाटन इस तथ्य को दर्शाता है कि अभी आंदोलन सकारात्मक ऊंचाई पर है'। आरएसएस प्रमुख ने छात्र कार्यकर्ताओं को आगाह करते हुए कहा कि अगर इस समय, जब संघ की लोकप्रियता में उछाल देखा जा रहा है, अगर वे सावधान नहीं हैं, तो लोकप्रियता ही भविष्य में एक बाधा बन सकती है।

20 जून को राष्ट्रपति से मुलाकात करेंगे कांग्रेसी

इसी दिन फिर राहुल से पूछताछ करेगा ईडी

नई दिल्ली ।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की पूछताछ को लेकर देशभर के कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता इन दिनों सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। इस दौरान उनकी पुलिस के साथ जमकर झड़प हुई है, जिसमें कई नेता घायल भी हुए हैं। इसी कड़ी में कांग्रेस नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल 20 जून को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मिलने वाला है। राष्ट्रपति से मुलाकात के दौरान कांग्रेस नेता, अन्य मुद्दों के अलावा पार्टी मुख्यालय में पुलिस के प्रवेश और पार्टी नेता राहुल गांधी से ईडी की पूछताछ के विरोध में प्रदर्शन करने वाले पार्टी सांसदों के साथ दुर्व्यवहार के मुद्दे पर एक ज्ञापन सौंपेंगे। बता दें कि नेशनल हेराल्ड मामले में वायनाड से सांसद राहुल गांधी से ईडी ने लगातार तीन दिनों तक पूछताछ की, जिसका देश भर में कांग्रेस नेताओं ने विरोध किया। इससे पहले कांग्रेस ने बुधवार को दिल्ली पुलिस के खिलाफ 24 अकबर रोड स्थित पार्टी कार्यालय में घुसने और कार्यकर्ताओं पर हमला करने की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत नई दिल्ली के तुगलक रोड पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई थी। कांग्रेसने आरोप लगाया है कि विरोध के दौरान उसके नेताओं के साथ मारपीट की गई। इस मामले में अगली पूछताछ के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी को शुक्रवार को ईडी के सामने चौथी बार पूछताछ के लिए पेश होना था। हालांकि राहुल गांधी ने ईडी से पेशी की तारीखों को टालने के लिए पत्र लिखा था। पत्र में उन्होंने अपनी मां और पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी की खराब तबीयत का हवाला देते हुए 17 जून से 20 जून तक उनकी पूछताछ को टालने पर विचार करने का अनुरोध किया था। ईडी ने राहुल गांधी को शुक्रवार (17 जून) को फिर से पेश होने के लिए कहा था, लेकिन उन्होंने अधिकारियों से उन्हें कल पेश होने से छूट देने का अनुरोध किया।

इसके बाद ईडी ने राहुल गांधी को सोमवार को पेश होने के लिए कहा है। हालांकि, पार्टी ने आरोप लगाया कि इस मामले में ईडी की कार्रवाई राजनीतिक प्रतिशोध की वजह से की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि राहुल गांधी से गांधी परिवार द्वारा यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड (वाईआईएल) के स्वामित्व और नेशनल हेराल्ड अखबार चलाने वाली कंपनी एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) में इसके शेयर पैटर्न के बारे में विस्तार से पूछताछ की गई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार दंड द्वारा प्रजा की रक्षा करनी चाहिए लेकिन बिना कारण किसी को दंड नहीं देना चाहिए। - रामायण

संपादकीय

ज्ञान की पूरी श्रंखला हैं वेद

(लेखक–आचार्य प्रशान्त)

ज्ञान की एक पूरी श्रृंखला हैं वेद, और उनके केंद्र में ज्ञान मात्र है। किसी एक व्यक्ति द्वारा लिखी गयी वो किताब नहीं है। किसी एक इंसान या इंसानों के एक समूह, या दल, या समुदाय या सम्प्रदाय का वो प्रतिनिधित्व नहीं करती। किसी एक व्यक्ति का नाम उससे जोड़ा नहीं जा सकता। व्यक्ति आए, चले गए। इतने ऋषि उसमें वर्णित हैं, उनमें से कोई ऋषि हो न हो – एक ऋषि, सहस्त्रों ऋषि – वेदों का किसी व्यक्ति विशेष से कोई संबंध नहीं। तो ज्ञान की एक पूरी परंपरा है, ज्ञान की पूजा करते हैं। इसीलिए एक बड़े लंबे, विस्तृत कालखंड में पसरे हुए हैं वेद। एक दिन या दस दिन या सौ वर्षों में भी नहीं लिख दिए गए थे वेद। उनकी हज़ारों वर्षों की यात्रा है और चूँकि उनका संबंध ज्ञान से, बोध से है, व्यक्तियों से नहीं, इसीलिए उनको अपौरुषेय भी कहते हैं। कि किसी मनुष्य की कृति मत मान लेना इनको। मनुष्य मात्र की या मनुष्य विशेष की भी संपदा मत मान लेना इनको। वेदों की एक पूरी यात्रा है, इस यात्रा में बहुत उतार–चढ़ाव आते हैं, लेकिन वो यात्रा है निरंतर ऊर्ध्वगामी ही। वो नीचे से चलती है और एकदम ऊपर तक जाती है, ज्ञान का काम ही यही है। तो वेदों के आरंभ में आते हैं मंत्र, संहिताएँ जिनमें तमाम देवताओं का पूजन है, उन्हें संतुष्ट करके उनसे वरदान, आशीर्वाद आदि माँगा गया है, शत्रुओं का नाश माँगा गया है, अपने पालतू पशुओं की संख्या, स्वास्थ्य में वृद्धि और रक्षा माँगा गया है। जितनी भी आधिभौतिक और आधिदैविक आपदाएँ हो सकती हैं, उनके विरुद्ध सुरक्षा माँगी गई है और इसमें विशेषरूप से कुछ आध्यात्मिक नहीं है। हालाँकि ऋग्वेद के दशवें मंडल में बहुत कुछ ऐसा है जो आध्यात्मिक काव्य की श्रेणी में रखा जाना चाहिए लेकिन फिर भी कुल मिलाकर के वेदों का जो मंत्र भाग है उसमें प्रकृति पूजन ही अधिक पाया जाता है। ये जो यात्रा है वेदों की, वो मंत्रों से आगे बढ़ती है। फिर ब्राह्मण आते हैं जो बताते हैं कि यज्ञ आदि में और तमाम तरह के अनुष्ठानों, कर्मकाण्डों में किस तरह की विधियों का और नियमों का पालन करना चाहिए। फिर आरण्यक आते हैं। आरण्यक आते–आते फिर बात और गहराने लगती है। अब जो प्रश्न हैं वो बाहरी संसार से हटकर भीतरी होने लग जाते हैं। और वही यात्रा फिर अपना पूर्ण विकास पाती है और अपना गंतव्य, अपना लक्ष्य भी पाती है उपनिषदों में। उपनिषदों में अब बात पूरे तरीके से आंतरिक हो गयी है। अब प्रकृति से कोई लेना–देना नहीं रहा। शुरुआत प्रकृति से हुई थी कि इंद्र से कुछ बात की जा रही है, मारुत से कुछ पूछा जा रहा है, वरुण से, अग्नि से कुछ पूछा जा रहा है। प्रकृति की शक्तियों का प्रतिनिधित्व करने वाले ये सब देवता हैं, इनसे वरदान माँगा जा रहा है, इन्हें संबोधित किया जा रहा है और उपनिषदों तक आते–आते ऋषि प्रकृति के प्रति बिल्कुल उदासीन हो जाते हैं, बल्कि यहाँ तक कह देते हैं कि, 'सत्य तो प्रकृति से परे है!' बात इतनी बदल जाती है कि एक ओर तो देवता लोग थे जिन्हें भोग लगाया जा रहा था, खिलाया जा रहा था। उनको अन्न, पत्र, पुष्प यहाँ तक कि पशु की भी भेंट दी जा रही थी और उपनिषदों में ब्रह्म मात्र है जो कभी कुछ खाता ही नहीं। मंत्रों में देवी देवता हैं जो सब साकार हैं, जिन्हें संतुष्ट किया जा सकता है, जिनसे बात की जा सकती है और उपनिषदों में ब्रह्म मात्र है, जिसका कोई आकार नहीं, जिसकी कोई इच्छा नहीं, जिसका कोई संगी–साथी नहीं। जो अचिन्त्य है उससे बात क्या की जाएगी? तो बात इतनी बदल जाती है। लेकिन उपनिषद् हैं पूरे तरीके से वेदों के ही अंदर। वास्तव में वैदिक प्रक्रिया ही विकास लेकर के अन्ततः उपनिषदों तक पहुँचती है। और जहाँ तक मानव के अंतर्जगत की बात है, उपनिषदों के आगे की बात आज तक न सोची गयी है, न कही गयी है।

वैश्विक मंदी के बावजूद निवेश की उम्मीदें

जयंतीलाल भंडारी

यकीनन वैश्विक मंदी की चुनौतियों का भारत पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। 13 जून को भारत के शेयर बाजार में भी बड़ी गिरावट दिखी। बैंचमार्क सेंसेक्स गोता लगाकर 52,846 अंकों पर बंद हुआ। डॉलर के मुकाबले रुपया 78 के पार चला गया। लेकिन फिर भी दुनिया के आर्थिक और वित्तीय संगठनों के मुताबिक भारतीय अर्थव्यवस्था दूसरे देशों की तुलना में गतिशील बनी हुई है। वैश्विक क्रैडिट रेटिंग एजेंसी फिच ने भारत की रेटिंग नकारात्मक से उन्नत करके स्थिर की है। खास बात यह भी है कि चुनौतियों के बीच भारत में रिकॉर्ड विदेशी निवेश का सुकूनदेह परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन (अंकटाड) की रिपोर्ट 2022 के अनुसार भारत की एफडीआई रैंकिंग पिछले वर्ष 2021 में एक पायदान चढ़कर 7वें स्थान पर पहुंच गई है। हाल ही में वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2021–22 में भारत ने 83.57 अरब डॉलर का रिकॉर्ड प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्राप्त किया है। अब चालू वित्त वर्ष 2022–23 में भारत की ओर अधिक एफडीआई प्रवाह की नई संभावनाएं बढ़ी हैं। सवाल है कि जब पिछले वित्त वर्ष 2021–22 में विश्व की अर्थव्यवस्था में बड़ी गिरावट रही है, इसके बावजूद विदेशी निवेशकों द्वारा भारत को एफडीआई के लिए प्राथमिकता क्यों दी गई है? तो हमारे सामने कई चमकीले तथ्य उभरकर सामने आते हैं। पिछले वित्त वर्ष 2021–22 में भारत की 8.7 फीसदी की सर्वाधिक विकास दर, देश में छलांगें लगाकर बढ़ रहे यूनिकॉर्न, 31.45 करोड़ टन का रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन, बढ़ता विदेश व्यापार, नए प्रभावी व्यापार समझौते, 600 अरब डॉलर से अधिक के विदेशी मुद्रा भंडार आदि के कारण एफडीआई तेजी से बढ़े हैं। भारत में निवेश पर बेहतर रिटर्न हैं। भारतीय बाजार बढ़ती डिमांड वाला बाजार है। निश्चित रूप से देश में एफडीआई बढ़ने का एक बड़ा कारण सरकार द्वारा पिछले कुछ वर्षों में उद्योग–कारोबार को आसान बनाने के लिए किए गए कई ऐतिहासिक सुधार भी हैं। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि कोरोना महामारी से लेकर अब तक ई–कॉमर्स, डिजिटल मार्केटिंग, डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन एजुकेशन तथा वर्क फॉम होम की प्रवृत्ति, बढ़ते हुए इंटरनेट के उपयोगकर्ता, देशभर में डिजिटल इंडिया के तहत सरकारी सेवाओं के डिजिटल होने से अमेरिकी टेक कंपनियों सहित दुनिया की कई कंपनियां भारत में स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि तथा रिटेल सेक्टर के ई–कॉमर्स बाजार की संभावनाओं को हासिल करने के लिए निवेश के साथ आगे बढ़ी हैं। राष्ट्रपति शी जिनपिंग की जीरो कोविड पॉलिसी नीति के कारण मार्च से लेकर मई, 2022 तक चीन के कई शहरों में आंशिक अथवा पूर्ण लॉकडाउन के कारण चीन में विकास दर घट गई है। ऐसे में चीन में कार्यरत कई कंपनियां चीन से अपना कारोबार और निवेश समेट कर जिन विभिन्न देशों का रुख कर रही हैं, उनमें भारत भी पहली पंक्ति में है। अब चालू वित्त वर्ष 2022–23 में और अधिक प्रभावी कारणों से एफडीआई बढ़ने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। उल्लेखनीय है कि 23 मई को टोक्यो में प्रधानमंत्री मोदी ने जापानी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों एवं सीईओ के साथ गोलमेज बैठक में कहा कि वैश्विक एफडीआई में मंदी के बावजूद भारत रिकॉर्ड विदेशी निवेश प्राप्त कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत निवेश अनुकूल अवसरों, आर्थिक सुधारों, नवाचार और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाला देश है। मोदी ने भारत–जापान औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता भागीदारी (आईजेआईसीपी), राष्ट्रीय अवसंरचना पाइप लाइन (एनआईपी), उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना और सेमीकंडक्टर नीति जैसी पहलों और भारत के मजबूत स्टार्टअप परिवेश पर भी प्रकाश डाला। याद किया कि मार्च, 2022 में जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों ने अगले पांच वर्षों में 5,000 अरब जापानी येन के निवेश का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। इस गोलमेज बैठक के बाद जापान की कंपनियों और निवेशकों से भारतीय प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, वित्त और अनुसंधान एवं विकास जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाएं आगे बढ़ी हैं। महत्वपूर्ण है कि 24 मई को अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया के रणनीतिक मंच क्वाड के दूसरे शिखर सम्मेलन में चारों देशों ने जिस समन्वित शक्ति का शंखनाद किया है और बुनियादी ढांचे पर 50 अरब डॉलर से अधिक रकम लगाने का वादा किया है, उससे क्वाड भारत के उद्योग–कारोबार के विकास में मील का पत्थर साबित हो सकता है। साथ ही इससे भारत की ओर एफडीआई का प्रवाह बढ़ेगा। अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ हुई द्विपक्षीय बैठकों के साथ–साथ अमेरिका की अगुवाई में बनाए गए 13 देशों के संगठन हिंद–प्रशांत आर्थिक फ्रेमवर्क, (आईपीईएफ) में भारत को भी शामिल किया गया है, उससे भारत आईपीईएफ देशों के लिए विनिर्माण, आर्थिक गतिविधि, वैश्विक व्यापार और नए निवेश का महत्वपूर्ण देश बन सकता है। इनके अलावा इसी वर्ष यूरोपीय देशों के साथ किए गए नए आर्थिक समझौतों और नए मुक्त व्यापार समझौतों के क्रियान्वयन से जहां भारत का विदेश व्यापार बढ़ेगा, वहीं भारत में विदेशी निवेश भी बढ़ेगा। इतना ही नहीं, जिस तरह से भारत की हरित ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा के संबंध में सकारात्मक परिदृश्य दुनिया में आगे बढ़ रहा है, उससे भी एफडीआई का प्रवाह भारत की ओर बढ़ रहा है। भारत में हरित हाइड्रोजन, जैव ईंधन सम्मिश्रण और वैकल्पिक स्रोतों से जैव ईंधन की खोज और उत्पादन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। भारत हरित ऊर्जा क्षेत्र में अग्रणी बनने को तैयार है। भारत ने 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण के लक्ष्य को पाने की समय सीमा को 2030 से घटाकर 2025 कर दिया है। इस समय देश के लिए एफडीआई प्राप्त करने में कृषि क्षेत्र की भी अहम भूमिका है। दुनियाभर में भारत द्वारा उपलब्ध कराई गई खाद्य सुरक्षा का स्वागत किया जा रहा है, जिसमें कृषि क्षेत्र में भी विदेशी निवेश तेजी से बढ़ रहा है। यदि हम चालू वित्त वर्ष 2022–23 में पिछले वित्त वर्ष के तहत प्राप्त किए गए 83.57 अरब डॉलर के एफडीआई से अधिक की नई ऊंचाई चाहते हैं तो जरूरी होगा कि वर्तमान एफडीआई नीति को और अधिक उदार बनाया जाए। जरूरी होगा कि देश में लागू किए गए आर्थिक सुधारों को तेजी से क्रियान्वयन की डगर पर आगे बढ़ाया जाए। जरूरी होगा कि डिजिटल अर्थव्यवस्था की विभिन्न बाधाओं को दूर करके इसका विस्तार किया जाए। एफडीआई बढ़ाने के लिए आत्मनिर्भर भारत अभियान और मेक इन इंडिया को सफल बनाना होगा। बदली हुई वैश्विक व्यापार व कारोबार की पृष्ठभूमि में भारत द्वारा यूएई और ऑस्ट्रेलिया के साथ एफटीए को मूर्तरूप देने के बाद अब यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, कनाडा, खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के छह देशों, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका और इस्राइल के साथ तेज गति से एफटीए वार्ताओं को पूरा करके एफटीए को शीघ्रतापूर्वक लाभप्रद आकार दिया जाना होगा।

लेखक ख्यात अर्थशास्त्री हैं।

वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई का बलिदान दिवस

(लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

रानी लक्ष्मीबाई (जन्मः 19 नवम्बर 1828– मृत्यः 18 जून 1858) मराठा शासित झाँसी राज्य की रानी और 1857 की राज्यक्रान्ति की द्वितीय शहीद वीरांगना (प्रथम शहीद वीरांगना रानी अवन्ति बाई लोधी 20 मार्च 1858 हैं) थीं। उन्होंने सिर्फ 29 वर्ष की उम्र में अंग्रेज साम्राज्य की सेना से युद्ध किया और रणभूमि में वीरगति को प्राप्त हुईं। बताया जाता है कि सिर पर तलवार के वार से शहीद हुई थी लक्ष्मीबाई। लक्ष्मीबाई का जन्म वाराणसी में 19 नवम्बर 1828 को हुआ था। उनका बचपन का नाम मणिकर्णिका था लेकिन प्यार से उन्हें मनु कहा जाता था। उनकी माँ का नाम भागीरथीबाई और पिता का नाम मोरोपंत तांबे था। मोरोपंत एक मराठी थे और मराठा बाजीराव की सेवा में थे। माता भागीरथीबाई एक सुसंस्कृत, बुद्धिमान और धर्मनिष्ठ स्वभाव की थी तब उनकी माँ की मृत्यु हो गयी। क्योंकि घर में मनु की देखभाल के लिये कोई नहीं था इसलिए पिता मनु को अपने साथ पेशवा बाजीराव द्वितीय के दरबार में ले जाने लगे। जहाँ चंचल और सुन्दर मनु को सब लोग उसे प्यार से 'छबीली' कहकर बुलाने लगे। मनु ने बचपन में शास्त्रों की शिक्षा के साथ शस्त्र की शिक्षा भी ली। सन् 1842 में उनका विवाह झाँसी के मराठा शासित राजा गंगाधर राव नेवालकर के साथ हुआ और वे झाँसी की रानी बनीं। विवाह के बाद उनका नाम लक्ष्मीबाई रखा गया। सितंबर 1851 में रानी लक्ष्मीबाई ने एक पुत्र को जन्म दिया। परन्तु चार महीने की उम्र में ही उसकी मृत्यु हो गयी। सन् 1853 में राजा गंगाधर राव का स्वास्थ्य बहुत अधिक बिगड़ जाने पर उन्हें दत्तक पुत्र लेने की सलाह दी गयी। पुत्र गोद लेने के बाद 21 नवम्बर 1853 को राजा गंगाधर राव की मृत्यु हो गयी। दत्तक पुत्र का नाम दामोदर राव रखा गया।

अंग्रेज राज ने अपनी राज्य हड़प नीति के तहत बालक दामोदर राव के ख़िलाफ़ अदालत में मुक़दमा दायर कर दिया। हालांकि मुक़दमे में बहुत बहस हुई, परन्तु इसे ख़ारिज कर दिया गया। ब्रितानी अधिकारियों ने राज्य का ख़ज़ाना ज़ब्त कर लिया और उनके पति के कर्ज़ को रानी के सालाना ख़र्च में से काटने का फ़रमान जारी कर दिया। इसके परिणाम स्वरूप रानी को झाँसी का क़िला छोड़कर झाँसी के रानीमहल में जाना पड़ा। पर रानी लक्ष्मीबाई ने हिम्मत नहीं हारी और उन्होनें हर हाल में झाँसी राज्य की रक्षा करने का निश्चय किया।

झाँसी का युद्ध

झाँसी 1857 के संग्राम का एक प्रमुख केन्द्र बन गया जहाँ हिंसा भड़क उठी। रानी लक्ष्मीबाई ने झाँसी की सुरक्षा को सुदृढ़ करना शुरू कर दिया और एक स्वयंसेवक सेना का गठन प्रारम्भ किया। इस सेना में महिलाओं की भर्ती की गयी और उन्हें युद्ध का प्रशिक्षण दिया गया। साधारण जनता ने भी इस संग्राम में सहयोग दिया। झलकारी बाई जो लक्ष्मीबाई की हमशक्ल थी को उसने अपनी सेना में प्रमुख स्थान दिया।

1857 के सितम्बर तथा अक्टूबर के महीनों में पड़ोसी राज्य ओरछा तथा दतिया के राजाओं ने झाँसी पर आक्रमण कर दिया। रानी ने सफलतापूर्वक इसे विफल कर दिया। 1858 के जनवरी माह में ब्रितानी सेना ने झाँसी की ओर बढ़ना शुरू कर दिया और मार्च के महीने में शहर को घेर लिया। दो हफ़्तों की लड़ाई के बाद ब्रितानी सेना ने शहर पर क़ब्ज़ा कर लिया। परन्तु रानी दामोदर राव के साथ अंग्रेज़ों से बच कर भाग निकलने में सफल हो गयी। रानी झाँसी से भाग कर कालपी पहुँची और तात्या टोपे से मिलीं।

तात्या टोपे और रानी की संयुक्त सेनाओं ने ग्वालियर के विद्रोही सैनिकों की मदद से ग्वालियर के एक क़िले पर क़ब्ज़ा कर लिया। बाजीराव प्रथम के वंशज अली बहादुर द्वितीय ने भी रानी लक्ष्मीबाई का साथ दिया और रानी लक्ष्मीबाई ने उन्हें राखी भेजी थी इसलिए वह भी इस युद्ध में उनके साथ शामिल हुए। 18 जून 1858 को ग्वालियर के पास कोटा की सराय में ब्रितानी सेना से लड़ते–लड़ते रानी लक्ष्मीबाई की मृत्यु हो गई। लड़ाई की रिपोर्ट में ब्रितानी जनरल ह्यूरोज़ ने टिप्पणी की कि रानी लक्ष्मीबाई अपनी सुन्दरता, चालाकी और दृढ़ता के लिये उल्लेखनीय तो थी ही, विद्रोही नेताओं में सबसे अधिक ख़तरनाक भी थी.

रानी की वीरता देख अंग्रेस कैप्टन ह्यूरोज ने शहादत स्थल पर उनको सैल्यूट किया था।

सिंहासन हिल उठे राजवंशों ने भृकुटी तानी थी,
बूढ़े भारत में आई फिर से नयी जवानी थी,
गुमी हुई आज़ादी की कीमत सबने पहचानी थी,
दूर फिरंगी को करने की सबने मन में ठानी थी।
चमक उठी सन सत्तावन में, वह तलवार पुरानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी॥
उदित हुआ सौभाग्य, मुदित महलों में उजियाली छायी,
किंतु कालगति चुपके–चुपके काली घटा घेर लायी,
तीर चलाने वाले कर में उसे चूड़ियाँ कब भायीं,
रानी विधवा हुई, हाय! विधि को भी नहीं दया आयी।
निसंतान मरे राजाजी रानी शोक–समानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी॥

आज के कार्टुन

आत्मज्ञान

श्रीराम शर्मा आचार्य

जीवन में सबसे महत्त्वपूर्ण और सबसे अधिक आवश्यक रूप से जानने योग्य वस्तु है आत्मा। आत्मज्ञान ही वह अमूल्य निधि है, जिसे पाकर जीवन सार्थक हो जाता है। व्यक्ति धन्य हो जाता है। मनुष्य जीवन का लक्ष्य ही है आत्मज्ञान की प्राप्ति। परन्तु आज सर्वथा इसके विपरीत हो रहा है। ध्यान उस तथ्य की ओर आकर्षित किया जा रहा है जिसको सर्वथा भुला दिया जाना चाहिए या उपेक्षित कर देना चाहिए। क्षणिक विषय वासनाओं का सुख, लोभ, मोह, लालच को उपेक्षित किया जाना चाहिए, पर इसके उल्ट आत्मसत्ता को उपेक्षित किया जा रहा है। समझा यह जा रहा है कि मनुष्य जो कुछ है, वह शरीर और मन तक ही सीमित है। इससे आगे, इससे ऊपर भी कुछ है, इस ओर ध्यान नहीं दिया जाता। वैसे तो अक्सर सुना जाता है कि हमारे शरीर और मन से ऊपर आत्मा है। सत्संग और स्वाध्याय आदि अवसरों पर आये दिन आंखों और कानों के पदरे पर यह शब्द टकराते रहते हैं। पर वह सब एक ऐसी विडम्बना बनकर रह जाता है, जो मानो कहने–सुनने और पढ़ने–लिखने के लिए ही खड़ी की गई हो, वास्तविकता से जिसका कोई सीधा संबंध न हो। यदि ऐसा न होता तो आत्मा को सचमुच ही महत्त्वपूर्ण माना गया होता। कम से कम शरीर, मन जितने स्तर का भी समझ गया होता तो उसके लिए उतना श्रम एवं चिन्तन नियोजित तो किया ही गया होता जितना कायिक, मानसिक उपलब्धियों के लिए किया जाता है। यथार्थता यह है कि आत्मा के संबंध में बढ़–चढ़कर बातें कहने–सुनने में प्रवीण होने पर भी उस संबंध में एक प्रकार से अपरिचित ही बने हुए हैं। यदि ऐसा न होता तो दिनचर्या में आत्मिक उन्नति के लिए कुछ स्थान नियत रहा होता। श्रम और मनोयोग में उसके लिए भी जगह होती। उपलब्धियों तथा धन को जिन प्रयोजनों में खर्च किया जाता है, उनमें एक मद आत्मविकास के लिए भी रखी गई होती। पर देखा जाता है कि इस संबंध में सर्वत्र घोर उपेक्षा ही संव्याप्त है। जिस प्रकार शरीर और मन को महत्त्व दिया जाता है, उसी प्रकार आत्मा पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। तभी आत्मज्ञान, आत्मानुभूति की ओर आगे बढ़ा जा सकता है। मनुष्य को जीवन रूपी सुर दुर्लभ अवसर इसीलिए प्राप्त हुआ है कि मनुष्य शरीर तक सीमित न रहे, बल्कि आत्मा की ओर भी बढ़े और उसका ज्ञान प्राप्त करे।

सू-दोकू नवताल -2142

					1	9		
4	5		6				1	
7		3	8			2		
	9		3					7
3		1		8		4		5
8					6		2	
		4			2	8		9
	3						7	6
		6	7		5			

सू-दोकू -2141 का हल

6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 x 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2142

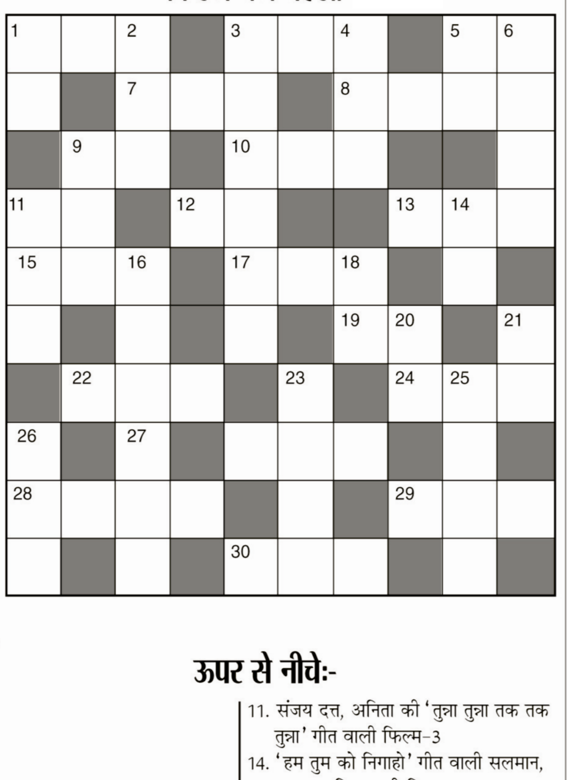

बायें से दायें:-

1. 'ये तारा वो तारा' गीत वाली आशुतोष गोवारीकर की फिल्म–3
3. 'तुम्हें अपना बनाने की' गीत वाली संजयदत्त, पूजा भट्ट की फिल्म–3
5. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म–2
7. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली जतिन ग्रेवाल, नेहा की फिल्म–3
8. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'रामजी की निरली सवारी' गीत वाली फिल्म–4
9. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली ऋषिकपूर, डिम्पल की फिल्म–2
10. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'कन्हैया कन्हैया तुझे' गीत वाली फिल्म–3
11. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली अमिताभ, रवीना, नंदिता की फिल्म–2
12. अमिताभ, जीनत की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली फिल्म–2
13. 'दिन सारा गुजारा' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा की फिल्म–3
15. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म–4
17. 'वो शाम कुछ अजीब थी' गीत वाली राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म–3
19. आमिर, जूही, ममता की 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म–2
22. फिल्म 'रिफ्यूजी' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी–3
24. अक्षयकुमार, करीना की 'दिल ले गया परदेसी' गीत वाली फिल्म–3
27. 'बहारों फूल बरसाओ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म–3
28. किशोरकुमार की 'एक चतुर नार करके सिंगार' गीत वाली फिल्म–4
29. 'फिर वही चांद वही गम' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म–3
30. डिनो, बिपाशा की 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली फिल्म–3

ऊपर से नीचे:-

1. 'कैसे कटे दिन कैसे' गीत वाली राजेश, गोविंदा, जूही की फिल्म–2
2. अमिताभ, जयाप्रदा की 'मंजिलें अपनी जगह हैं' गीत वाली फिल्म–3
3. फिल्म 'तेरे नाम' में नायक कौन था–4,2
4. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म–3
5. काहे कोयल शोर, मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म–2
6. जीतेंद्र, लीना चंदावरकार की 'तूने तूने ओ सनम' गीत वाली फिल्म–4
9. 'है मुबारक आज का' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, रति की फिल्म–3
11. संजय दत्त, अनिता की 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली फिल्म–3
14. 'हम तुम को निगाहो' गीत वाली सलमान, अरबाज, शिल्पा की फिल्म–2
16. राजकपूर, वहीदा रहमान की 'सजन रे झूठ मत बोलो' गीत वाली फिल्म–3,3
18. फिल्म 'मिस 420' में नायिका कौन थी–2
20. सनी देओल, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'तू धरती पे चाहे जहाँ' गीत वाली फिल्म–2
21. 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म–2
23. अजय देवगन, अमीषा पटेल की 'प्यार तो होता है प्यार' गीत वाली फिल्म–4
25. 'मेरे अंगने में तुम्हारा' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म–4
26. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की 'एक बगिया में रहती है' गीत वाली फिल्म–3

फिल्म वर्ग पहेली- 2141

रा	हु	ल		ना		गै	ब	ल	र
जा			घा	य	ल		द		न
औ	ला	द		ब	गा	व	त		
र		स	त्या		न		मी	ना	क्षी
रं	गी	ला		टी		अ	ज	य	
क		ख	ल	ना	य	क		क	था
	दो		की			ल	क्ष्य		ने
खू	ब	सू	र	त		मं		दा	दा
	द			ला		द	स		र
डॉ	न		रो	श	नी		नी	तू	

आरबीआई ने मास्टरकार्ड पर से हटाया प्र तिबंध, नए ग्राहक जोड़ सकेगी कंपनी

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने करीब एक साल बाद अमेरिका की पेमेंट टेक्नोलॉजी कंपनी मास्टरकार्ड को बड़ी राहत दी है। दरअसल, केंद्रीय बैंक ने मास्टरकार्ड पर लगाए गए सभी प्रतिबंधों को हटा दिया है। इसके अलावा आरबीआई ने मास्टरकार्ड को अपने नेटवर्क पर नए ग्राहक जोड़ने की इजाजत दे दी है। केंद्रीय बैंक ने कहा है कि मास्टरकार्ड एशिया, पैसिफिक प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पेमेंट सिस्टम डाटा के स्टोरेज के संतोषजनक कंप्लायंस के मद्देनजर 14 जुलाई 2021 को मास्टरकार्ड पर नए कस्टमर जोड़ने को लेकर जो प्रतिबंध लगा दिया गया था उसे वापस लेने का फैसला किया गया है। लोकल डेटा स्टोरेज नॉर्म्स का कंप्लायंस नहीं करने को लेकर आरबीआई ने 14 जुलाई को मास्टरकार्ड पर नए क्रेडिट, डेबिट और प्रीपेड कार्ड जारी करने को लेकर अनिश्चितकाल के लिए पाबंदी लगा दी थी। केंद्रीय बैंक ने मास्टरकार्ड को 22 जुलाई, 2021 से अपने कार्ड नेटवर्क में नए घरेलू ग्राहकों को शामिल करने पर बैन लगा दिया था। गौरतलब है` कि डेटा लोकलाइजेशन के नियमों के तहत कंपनी को भारतीय ग्राहकों के डेटा देश में ही रखने की जरूरत है। मास्टरकार्ड से पहले केंद्रीय बैंक ने अप्रैल 2021 में अमेरिकन एक्सप्रेस और डाइनर्स क्लब इंटरनेशनल को नए घरेलू ग्राहक जोड़ने से रोक लगाई थी।

5जी नीलामी के लिए बोली पूर्व सम्मेलन 20 को

नई दिल्ली । दूरसंचार विभाग ने 5जी स्पेक्ट्रम नीलामी से संबंधित बोली पूर्व सम्मेलन के लिए नोटिस जारी किया है। यह सम्मेलन 20 जून को होगा। 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी के तहत बोली-पूर्व सम्मेलन पहला बड़ा कार्यक्रम होगा। सरकार अगले महीने 4.3 लाख करोड़ रुपए के स्पेक्ट्रम की नीलामी करने जा रही है। स्पेक्ट्रम की नीलामी 26 जुलाई को शुरू होगी। नीलामी के दौरान 72 गीगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम बिक्री के लिए रखा जाएगा।

मदर डेयरी ने खाने के तेल की कीमतें 15 रुपए लीटर तक घटाई

नई दिल्ली । दिल्ली-एनसीआर में प्रमुख दूध आपूर्तिकर्ताओं में से एक मदर डेयरी ने अपने खाने के तेल की कीमतों में 15 रुपए प्रति लीटर तक की कटौती की है। मदर डेयरी ने कहा है कि वैश्विक बाजारों में खाद्य तेलों के दाम नीचे आए हैं। इसी को देखते हुए उसने खाने के तेल की कीमत कम की है। कंपनी अपने खाद्य तेलों को धारा ब्रांड के तहत बेचती है। धारा सरसों तेल (एक लीटर पॉली पैक) की कीमत 208 रुपए से घटाकर 193 रुपए प्रति लीटर कर दी गई है। धारा रिफाइंड सूरजमुखी तेल (एक लीटर पॉली पैक) पहले के 235 रुपए प्रति लीटर से अब 220 रुपए में बेचा जाएगा। धारा रिफाइंड सोयाबीन तेल (एक लीटर पॉली पैक) की कीमत 209 रुपए से घटकर 194 रुपए हो जाएगी। मदर डेयरी ने कहा कि धारा खाद्य तेलों की अधिकतम खुदरा कीमतों (एमआरपी) में 15 रुपए प्रति लीटर तक की कमी की जा रही है। कीमतों में यह कमी हाल की सरकार की पहल, अंतरराष्ट्रीय बाजारों का प्रभाव कम होने और सूरजमुखी तेल की उपलब्धता बढ़ने की वजह से हुई है। नए एमआरपी के साथ धारा खाद्य तेल अगले सप्ताह तक बाजार में पहुंच जाएगा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में उच्च दरों के कारण पिछले एक साल से खाद्य तेल की कीमतें बहुत ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं। घरेलू मांग को पूरा करने के लिए भारत सालाना लगभग 1.3 करोड़ टन खाद्य तेलों का आयात करता है। खाद्य तेलों के लिए देश की आयात पर निर्भरता 60 प्रतिशत की है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई । मुम्बई शेयर बाजार में शुक्रवार को भी गिरावट जारी रही। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दिग्गज कंपनियों टाइटन, विप्रो, डा. रेड्डीज, एशियन पेंट्स के शेयरों में गिरावट के साथ ही विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी से भी बाजार गिरा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है जिससे वह नीचे आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 135.37 अंक करीब 0.26 फीसदी की गिरावट के साथ ही 51,360.42 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 67.10 अंक तकरीबन 0.44 फीसदी नीचे आकर 15,293.50 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में टाइटन, विप्रो, डा. रेड्डीज, एशियन पेंट्स, सन फार्मा, पावरग्रिड, लार्सन एंड टूब्रो, अल्ट्राटेक सीमेंट, मारुति, टीसीएस और हिंदुस्तान यूनिलीवर जैसी कंपनियों के शेयर गिरे हैं। वहीं दूसरी ओर बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों को लाभ हुआ। कारोबार के दौरान बजाज फाइनेंस , बजाज फिनसर्व , कोल इंडिया , जेएसडब्ल्यू स्टील और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर ऊपर आये जबकि टाइटन , विप्रो एचडीएफसी लाइफ , श्री सीमेंटस और बीपसीसीएल के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। इससे पहले गुरुवार को भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। वहीं एशियाई बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। जापान का निक्की और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नीचे आये हैं जबकि हांगकांग का हैंगसेंग और चीन का शंघाई कंपोजिट लाभ में रहे। दूसरी ओरयूरोपीय बाजारों में तेजी दर्ज की गयी।

रिजर्व बैंक अप्रैल में डॉलर का खरीदार बना

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अप्रैल में अमेरिकी डॉलर का खरीदार बन गया है। जानकारी के मुतो बिक रिजर्व बैंक ने अप्रैल में हाजिर बाजार से 1.965 अरब डॉलर खरीदे। समीक्षाधीन महीने में रिजर्व बैंक ने 11.965 अरब डॉलर की खरीद की और हाजिर बाजार में 10 अरब डॉलर की बिक्री की। आंकड़ों से पता चलता है कि मार्च, 2022 में रिजर्व बैंक ने 20.101 अरब डॉलर की शुद्ध बिक्री की थी। रिजर्व बैंक ने 4.315 अरब डॉलर की खरीदारी की थी और हाजिर बाजार में 24.416 अरब डॉलर की बिक्री की थी। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान केंद्रीय बैंक ने 17.312 अरब डॉलर की शुद्ध खरीद की थी। इसने वित्त वर्ष 2021-22 में हाजिर बाजार में 113.991 अरब डॉलर की खरीद की थी और 96.679 अरब डॉलर की बिक्री की थी।

जीएसटी काउंसिल की बैठक 28-29 जून को

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अगुवाई वाली जीएसटी काउंसिल की बैठक 28-29 जून को श्रीनगर में होगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के कार्यालय ने ट्वीट किया` कि जीएसटी काउंसिल की 47वीं बैठक 28 और 29 जून मंगलवार और बुधवार को होगी। काउंसिल की यह बैठक इस दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है कि इसमें राज्यों के वित्त मंत्रियों की समिति की दरों को सुसंगत करने संबंधी रिपोर्ट पर चर्चा होगी। इसके अलावा बैठक में कसीनो, घुड़दौड़ और ऑनलाइन गेमिंग के लिए जीएसटी दरों पर विचार किया जाएगा। बैठक में कुछ प्रक्रियाओं के सरलीकरण पर भी विचार किया जा सकता है। गौरतलब है कि वित्त मंत्रालय ने हाल ही में कहा था कि केंद्र ने राज्यों को 86,912 करोड़ रुपए जारी करके अब तक का पूरा जीएसटी क्षतिपूर्ति बकाया चुका दिया है। इसमें से 25,000 करोड़ रुपए जीएसटी क्षतिपूर्ति फंड से जारी किए गए हैं और बाकी 61,912 करोड़ रुपए केंद्र अपने खुद के संसाधनों से जारी कर रहा है। जारी किए गए कुल क्षतिपूर्ति में 17,973 करोड़ रुपए अप्रैल और मई का बकाया था। फरवरी और मार्च का बकाया 21,322 करोड़ रुपए था और जनवरी 2022 तक बकाया क्षतिपूर्ति की राशि 47,617 करोड़ रुपए थी।

सस्ती दरों पर सोना खरीदने का मौका दे रही सरकार

- सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम की पहली सीरीज खरीद के लिए 20 जून से पांच दिनों के लिए खुलेगी

नई दिल्ली । सरकार जनता को सस्ती दरों पर सोना खरीदने का मौका दे रही है। दरअसल एक बार फिर से सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश करने का मौका आ रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बताया कि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम 2022-23 की पहली सीरीज खरीद के लिए 20 जून से पांच दिनों के लिए खुलने जा रही है। इस दौरान निवेशकों के पास बाजार से कम कीमत में गोल्ड खरीदने का मौका होगा। आरबीआई ने बताया कि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड 2022-23 की दूसरी सीरीज आवेदन के लिए 22 से 26 अगस्त के दौरान उपलब्ध होगी। केंद्रीय बैंक दरअसल भारत सरकार की तरफ से बांड जारी करता है। ये निवासी व्यक्तियों, अविभाजित हिंदू परिवार, न्यासों, विश्वविद्यालयों और धर्मार्थ संस्थाओं को ही बेचे जा सकते है। पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में कुल 12,991 करोड़ रुपए मूल्य के 10 किस्तों में एसजीबी जारी किए गए थे। आरबीआई ने कहा है कि एसजीबी की अवधि 8 साल के लिए होगी, जिसमें 5वें साल के बाद इसे प्रीमैच्योर रिडेंपशन किया जा सकता है। इस ऑप्शन का उपयोग उस तिथि पर किया जा सकता जिस पर ब्याज देय है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम में एक वित्त वर्ष में एक व्यक्ति अधिकतम 4 किग्रा गोल्ड के बॉन्ड खरीद सकता है। न्यूनतम निवेश एक ग्राम का होना जरूरी है। वहीं ट्रस्ट या उसके जैसी संस्थाएं 20 किग्रा तक के बॉन्ड खरीद सकती हैं। डिजिटल माध्यम से गोल्ड बॉन्ड के लिए आवेदन और भुगतान करने वाले निवेशकों के लिये इश्यू प्राइस 50 रुपए प्रति ग्राम कम होगा। आरबीआई ने कहा कि निवेशकों को निर्धारित मूल्य पर सालाना 2.5 फीसदी ब्याज छमाही आधार पर दिया जाएगा।

एफपीआई ने भारतीय बाजार से निकाले 2 लाख करोड़

- 2018 के उच्चतम स्तर से दोगुना

मुंबई । देश से 2022 में शुद्ध विदेशी फंड की निकासी 2 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गई, जो अब तक का सबसे बड़ा वार्षिक आंकड़ा है और 2018 में दर्ज 80,917 करोड़ रुपए के पिछले उच्च स्तर से दोगुना है। सीडीएसएल के आंकड़ों से पता चलता है कि शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) द्वारा 90 फीसदी से अधिक (लगभग 1.9 लाख करोड़ रुपए) की निकासी की गई है। विश्लेषकों और ब्रोकरों ने कहा कि सरपट दौड़ती महंगाई, बढ़ते चालू खाते के घाटे, कमजोर मुद्रा और यूएस फेड द्वारा दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में बहुत तेजी से दरें बढ़ाने के फैसले ने विदेशी फंड प्रबंधकों को भारत सहित जोखिमपूर्ण उभरती बाजार संपत्तियों से पैसा निकालने के लिए मजबूर किया है। जून लगातार नौवां महीना है जब एफपीआई भारत में शुद्ध विक्रेता रहे हैं, इस अवधि के दौरान कुल मिलाकर लगभग 2.5 लाख करोड़ रुपए निकाल चुके हैं। आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि इस महीने अब तक, केवल 15 दिनों में, एफपीआई के पास लगभग 25,000 करोड़ रुपए के शुद्ध स्टॉक बेचे गए हैं। बुधवार को भी एफपीआई बाजार में 3,531 करोड़ रुपए के शुद्ध विक्रेता थे। यह डेटा गुरुवार को रिपोर्ट किए जाने वाले आंकड़ों में शामिल किया जाएगा।एक प्रमुख डेट फंड मैनेजर के मुताबिक, एफपीआई का निकासी का सिलसिला कुछ और महीनों तक जारी रह सकता है। कम से कम तब तक जब तक यह स्पष्ट नहीं हो जाता कि यूएस फेड अमेरिका में तरलता को मजबूत करने के लिए कितना आगे बढ़ेगा।

सोने, चांदी में तेजी

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतें बढ़ी हैं। शुक्रवार को दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 416 रुपये बढ़कर 50,802 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया जबकि पिछले कारोबारी सत्र में सोना 50,386 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं इसी प्रकार चांदी भी 1,014 रुपये बढ़कर 61,343 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। यह पिछले कारोबारी सत्र में 60,329 रुपये प्रति किलोग्राम रही थी। कॉमेक्स में सोने की कीमतों बढ़ने के साथ ही दिल्ली में 24 कैरट हाजिर सोने की कीमतें 416 रुपये प्रति ग्राम उछल गयी हैं।'' वहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 1,850 डॉलर प्रति औंस और चांदी 21.90 डॉलर प्रति औंस पर बना हुआ था।

कोरोना पूर्व स्तर से 24 फीसदी बढ़ा खुदरा व्यापार

रेस्टोरेंट और कपड़ों के बाजार में सर्वाधिक बढ़त

नई दिल्ली। देश का खुदरा कारोबार मई, 2022 में कोविड-पूर्व स्तर यानी मई, 2019 की तुलना में 24 प्रतिशत बढ़ा है। यह जानकारी रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आरएआई) ने दी है। आरएआई के ताजा खुदरा व्यापार सर्वे के अनुसार पश्चिमी भारत में मई में 2019 के मई माह की तुलना में बिक्री 30 फीसदी बढ़ी है। वहीं समान अवधि में पूर्वी क्षेत्र में बिक्री में 29 फीसदी की वृद्धि हुई है। इसी तरह दक्षिणी भारत की बिक्री 22 प्रतिशत और उत्तरी भारत की बिक्री 16 प्रतिशत बढ़ी है। आरएआई के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कुमार राजगोपालन ने कहा है` कि महामारी से पहले की तुलना में अप्रैल, 2022 में 23 प्रतिशत और मई, में 24 प्रतिशत की वृद्धि के साथ बिक्री में लगातार सुधार काफी उत्साहजनक है। राजगोपालन ने कहा है कि शादियों का सीजन और वर्क फ्रॉम ऑफिस फिर शुरू होने के बाद परिधान और जूते जैसी श्रेणियों ने अच्छा प्रदर्शन करना शुरू कर दिया है। मुद्रास्फीति को लेकर चिंता अभी बनी हुई है। हालांकि, ग्राहक अब बाजार आकर खरीदारी कर रहे हैं। आरएआई ने कहा कि सभी क्षेत्रों में बिक्री बढ़ी है। क्विक सर्विस रेस्टोरेंट की बिक्री में 41 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

वहीं फुटवियर जैसी श्रेणियों में 30 फीसदी का अच्छा सुधार देखने को मिला है। आरएआई के सर्वेक्षण के अनुसार मई में उपभोक्ता वस्तुओं और इलेक्ट्रॉनिक्स सामान की बिक्री में 2019 के इसी महीने की तुलना में 15 फीसदी और परिधान एवं कपड़ों में 24 फीसदी की वृद्धि हुई है। साथ ही खाद्य और किराना श्रेणी में 23 प्रतिशत और खेल के सामान की बिक्री में 24 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा 14 जून को जारी 2020-21 के लिए पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे (पीएलएफएस) के अनुसार, 2020-21 (जुलाई-जून) में बेरोजगारी दर गिरकर 4.2 प्रतिशत हो गई। ऐसा कोरोना वायरस महामारी के कारण देशभर में लगे लॉकडाउन के बावजूद हुआ। इस दौरान लेबर फोर्स पार्टिसिपेशन रेट बढ़कर 41.6 फीसदी हो गया।

फीड के लिए नए फुल-स्क्रीन मोड का परीक्षण कर रहा इंस्टाग्राम

सैन फ्रांसिस्को। प्लेटफॉर्म पर कंटेंट को अधिक खोज योग्य और इमर्सिव बनाने के उद्देश्य से, मेटा के स्वामित्व वाला इंस्टाग्राम अपने फीड और एक अपडेटेड नेविगेशन बार के लिए एक नए फुल-स्क्रीन मोड का परीक्षण कर रहा है।

द वर्ज की रिपोर्ट के अनुसार, मेटा के प्रवक्ता सीन किम के अनुसार, परीक्षण, जिसे सीमित संख्या में लोगों के लिए शुरू किया गया है, टिकटॉक के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए मंच का नवीनतम प्रयास है। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि यदि आप उस समूह का हिस्सा हैं, तो आप अपने फीड के माध्यम से स्क्रॉल करते हुए लगभग पूरी स्क्रीन पर वीडियो देख पाएंगे (नेविगेशन बार अभी भी उनके नीचे दिखाई देगा)। कंपनी इससे पहले फीड पर फुल स्क्रीन के साथ एक्सपेरिमेंट कर चुकी है। इसने मुख्य नेविगेशन बार को भी सबसे नीचे छोड़ दिया, जबकि कंपनी का कहना है कि वह वहां पोस्ट या संदेश बनाने के लिए शॉर्टकट का परीक्षण करने की योजना बना रहा है।

डब्ल्यूटीओ में मत्स्यपालन सब्सिडी सहित सभी समझौतों पर बनी सहमति!

जिनेवा । विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के सदस्यों के बीच दो दिन तक चले गहन विचार-विमर्श के बाद कोविड संबंधी प्रतिक्रिया और मत्स्यपालन सब्सिडी को लेकर घोषणाएं होने की उम्मीद हैं। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। डब्ल्यूटीओ के सदस्य नौ साल के अंतराल के बाद मत्स्यपालन सब्सिडी समझौते पर एकमत हुए हैं। 12 जून से शुरू हुई और चार दिन तक चली बातचीत का समापन शुक्रवार को हुआ। सूत्रों ने बताया` कि सभी समझौतों पर पूर्ण सहमति बनी है और इन पर आम-सहमति से हस्ताक्षर हुए हैं। अस्थायी पेटेंट छूट पर भी निर्णय जल्द हो सकता है, इस पर अमेरिका की मंजूरी का इंतजार है। इन सभी मुद्दों पर औपचारिक घोषणा जल्द ही की जा सकती है। जानकारी के मुतो बिक ऐसा पहली बार है जब आवश्यकता से अधिक मछली पकड़ना, गहरे समुद्र में मछली पकड़ना, अवैध, गैर-सूचित और अनियमित तरीके से मछली पकड़ने के विषय पर प्रस्तावित समझौते लाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत के जोर देने पर विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) पर संप्रभु अधिकारों को मजबूती से स्थापित किया गया जो वास्तव में एक बड़ी उपलब्धि है। सूत्र ने कहा कि डब्ल्यूटीओ की 12 वीं मंत्रिस्तरीय बैठक में जो ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं उनसे जिन प्रमुख हितधारकों को लाभ मिलेगा उनमें मछुआरे, किसान, खाद्य सुरक्षा, बहुपक्षवाद और कारोबार शामिल हैं।

टेलीग्राम के बाद स्नैपचैट पेड सब्सक्रिप्शन सर्विस पर कर रहा है काम

नई दिल्ली। लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म स्नैपचैट यूजर्स के लिए पेड सब्सक्रिप्शन पर काम कर रहा है क्योंकि एप्पल द्वारा आईओएस प्राइवेसी में सख्त बदलाव किए जाने के बाद उसे पैसा कमाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। द वर्ज की रिपोर्ट के मुताबिक, इसे स्नैपचैट प्लस कहा जाता है, सशुल्क सदस्यता सेवा वर्तमान में प्रारंभिक आंतरिक परीक्षण में है। कंपनी के प्रवक्ता ने गुरुवार देर रात रिपोर्ट में कहा, हम स्नैपचैट प्लस का शुरुआती आंतरिक परीक्षण कर रहे हैं, जो स्नैपचैटर्स के लिए एक नई सदस्यता सेवा है। प्रवक्ता ने कहा, हम अपने ग्राहकों के साथ एक्सक्लूसिव, एक्सपेरिमेंटल और प्री-रिलीज फीचर्स साझा करने की क्षमता को लेकर उत्साहित हैं और इस बारे में अधिक जानें कि हम अपने समुदाय की सर्वोत्तम सेवा कैसे कर सकते हैं। ऐप शोधकर्ता एलेसेंड्रो पलुजी के अनुसार, स्नैपचैट प्लस आपको अपने एक दोस्त को अपने हैशटैग 1 बीएफएफ के रूप में पिन करने की अनुमति देगा। पलुजी ने ट्वीट किया, स्नैपचैट प्लस की कीमत वर्तमान में 4.84 डॉलर प्रति माह और 48.50 डॉलर प्रति वर्ष के रूप में सूचीबद्ध है। न केवल स्नैपचैट बल्कि कई अन्य लोकप्रिय ऐप ने एप्पल द्वारा आईओएस 14.5 के साथ एक प्राइवेसी फीचर पेश करने के बाद सदस्यता सेवा शुरू कर दी है, जिससे उपयोगकर्ता ऐप्स के लिए विज्ञापन ट्रैकिंग बंद कर सकते हैं। इंस्टेंट मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम के संस्थापक और सीईओ पावेल ड्यूरोव ने इस महीने पुष्टि की थी कि टेलीग्राम प्रीमियम नामक एक सदस्यता-आधारित पेशकश इस महीने के अंत में आने वाली है। ड्यूरोव ने एक ब्लॉगपोस्ट में कहा, इस पर कुछ विचार करने के बाद, हमने महसूस किया कि हमारे सबसे अधिक मांग वाले प्रशंसकों को हमारी मौजूदा सुविधाओं को मुक्त रखने का एकमात्र तरीका उन बढ़ी हुई सीमाओं को एक भुगतान विकल्प बनाना है। उन्होंने कहा, इसलिए हम टेलीग्राम प्रीमियम पेश करेंगे, एक सदस्यता योजना जो किसी को भी अतिरिक्त सुविधाएँ, गति और संसाधन प्राप्त करने की अनुमति देती है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड की टीम में जुड़वा भाइयों को जगह

लंदन ।

इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला के तीसरे और आखिरी टेस्ट मैच के लिए घोषित 14 सदस्यीय टीम में जुड़वा भाइयों को जगह दी है। टीम में क्रेग ओवरटन पहले से ही है , जबकि जैमी ओवरटन नया चेहरा हैं। इंग्लैंड की टीम श्रृंखला में 2-0 से आगे है और तीसरा मैच हेडिंग्ले में 23 जून से खेला जाएगा। इंग्लैंड के लिए इससे पहले किसी जुड़वां भाइयों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है। इस बात की संभावना कम है कि तीसरे टेस्ट मैच में दोनों भाइयों को अंतिम एकादश में मौका मिले। क्रेग को पहले दो टेस्ट मैच की तरह इस मुकाबले से भी बाहर बैठना पड़ सकता है।

राष्ट्रमण्डल खेलों के लिए भारत की 37 सदस्यीय एथलेटिक्स टीम घोषित

नीरज करेंगे नेतृत्व

नई दिल्ली ।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने आगामी राष्ट्रमण्डल खेलों के लिए भारत की 37 सदस्यीय एथलेटिक्स टीम घोषित कर दी है। इस टीम का नेतृत्व ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा करेंगे। चयनित खिलाड़ियों में अनुभवी हिमा दास और दुती चंद सहित 18 महिला खिलाड़ी भी शामिल हैं हिमा ओर दुती को महिलाओं की 4 गुणा 100 मीटर रिले टीम में जगह दी गई है।

चयनकर्ताओं ने पुरुष 4 गुणा 400 मीटर रिले टीम का भी चयन किया है। इसमें 3000 मीटर स्टीपलचेज का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ने वाले अविनाश साब्ले को भी जगह मिली है। इसके अलावा दो बार 100 मीटर का अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ने वाली ज्योति याराजी को भी टीम में जगह मिली है। राष्ट्रीय अंतर राज्यीय चैंपियनशिप में 14.14 मीटर के प्रयास के साथ त्रिकूद में अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ने वाली ऐश्वर्या बाबू को भी टीम में जगह मिली है। हैरानी की बात है कि 200 मीटर में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अमलान बोरगोहेन को टीम में जगह नहीं मिली है। चयनित खिलाड़ियों को राष्ट्रमण्डल खेलों से पहले अपनी फॉर्म और फिटनेस हासिल करनी होगी। अनुभवी चक्का फेंक खिलाड़ी सीमा पूनिया को भी अतीत में उनके प्रदर्शन को देखते हुए पांचवीं बार इस खेलों में भाग लेने का अवसर दिया गया है। पुरुष त्रिकूद के लिए अब्दुल्ला अबुबाकर, प्रवीण चित्रावेल और एल्दोसे पॉल को टीम में जगह मिली है.

टीम इस प्रकार है- पुरुषः

अविनाश साब्ले (3000 मीटर स्टीपलचेज), नितेंदर रावत (मैराथन), एम श्रीशंकर और मोहम्मद अनीस याहिया (लंबी कूद), अब्दुल्ला अबुबाकर, प्रवीण चित्रावेल और एल्दोसे पॉल (त्रिकूद), तेजिंदरपाल सिंह तूर (गोला फेंक); नीरज चोपड़ा, डीपी मनु और रोहित यादव (भाला फेंक), संदीप कुमार और अमित खत्री (पैदल चाल); अमोज जैकब, नोह निर्मल टॉम, अरोकिया राजीव, मोहम्मद अजमल, नागनाथन पांडी और राजेश रमेश (चार गुणा 400 मीटर रिले).

महिलाः

एस धनलक्ष्मी (100 मीटर और चार गुणा 100 मीटर रिले), ज्योति याराजी (100 मीटर बाधा दौड़), ऐश्वर्या बी (लंबी कूद और त्रिकूद) और एंसी सोजन (लंबी कूद), मनप्रीत कौर (गोला फेंक), नवजीत कौर ढिल्लों और सीमा अंतिल पूनिया (चक्का फेंक), अन्नु रानी और शिल्पा रानी (भाला फेंक), मंजू बाला सिंह और सरिता रोमित सिंह (तार गोला फेंक), भावना जाट और प्रियंका गोस्वामी (पैदल चाल), हिमा दास, दुती चंद, श्रावणी नंदा, एमवी जिलाना और एनएस सिमी (4 गुणा 100 मीटर रिले)।

श्रीलंका ने दूसरे एकदिवसीय में ऑस्ट्रेलिया को हराकर सीरीज में वापसी की

कोलंबो ।

श्रीलंकाई टीम ने वर्षा प्रभावित दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में ऑस्ट्रेलिया को 26 रनों से हराकर सीरीज में 1-1 से बराबरी की है। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने टॉस जीतकर श्रीलंकाई टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 47.4 ओवर में 9 विकेट पर 220 रन बनाये। सबसे ज्यादा 36 रन कुसल मेंडिस ने बनाये। धनंजय डि सिल्वा और कप्तान दासुन शनाका ने 34 से 34 रन बनाये। इसके बाद बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा और मेहमान ऑस्ट्रेलियाई टीम को डकवर्थ लुईस नियम के तहत 43 ओवरों में 216 रनों का संशोधित लक्ष्य मिला। इसका पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई पारी 37.1 ओवरों में 189 रनों पर ही सिमट गयी। डेविड वॉर्नर ने सबसे ज्यादा 37 रन व मैक्सवेल ने 30 रन बनाये। स्टीव स्मिथ ने 28 और ट्रेविस हेड ने 23 रन बनाए। श्रीलंका की ओर से चमिका करुणारत्ने ने 3 विकेट लिए जबकि दुष्मांता चमीरा, धनंजय डि सिल्वा और दुनिथ वेलालागे ने 2-2 विकेट लिए।

इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने श्रीलंका को बड़ा स्कोर नहीं बनाने दिया। उन्होंने 35 रन देकर 4 खिलाड़ियों को पेवेलियन भेजा। ग्लेन मैक्सवेल और कुहनेमेन ने 2-2 विकेट लिए जबकि स्पेप्सन को 1 विकेट मिला। वहीं इससे बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट विकेट खोये जिससे मैच उसके हाथ से निकल गया।

अमेरिकी ओपन में खेल सकेंगे रुसी और बेलारूसी खिलाड़ी

न्यूयॉर्क । अब रूस और बेलारूस के टेनिस खिलाड़ी भी 29 अगस्त से शुरू अमेरिकी ओपन में खेल सकेंगे। अमेरिकी ओपन के आयोजकों ने कहा कि सरकारों के फैसलों के लिए खिलाड़ियों को दोष नहीं दिया जा सकता। इससे पहले रुस के यूक्रेन पर हमले के बाद से ही रुस और बेलारूस के खिलाड़ियों को विभिन्न खेल स्पर्धाओं से प्रतिबंधित कर दिया गया है। इसी कारण विम्बलडन ने भी इन देशों के खिलाड़ियों को प्रतिबंधित कर दिया गया था पर अमेरिकी ओपन में रूस और बेलारूस के खिलाड़ी खेलते नजर आ सकते हैं। अमेरिकी टेनिस संघ (यूएसटीए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और कार्यकारी निदेशक लियू शेर ने में कहा कि यूएसटीए बोर्ड ने रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों को टूर्नामेंट में प्रवेश देने का फैसला किया है क्योंकि व्यक्तिगत खिलाड़ियों को उनकी सरकारों के कार्यों और फैसलों के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। लियू ने कहा कि रूस और बेलारूस के खिलाड़ी तटस्थ ध्वज के तले दुनिया भर में अलग-अलग टेनिस टूर्नामेंट में इसी तरह खेल रहे हैं।

भारतीय टीम के दौरे से पहले आयरलैंड को झटका, दिग्गज खिलाड़ी पोर्टरफील्ड ने संन्यास लिया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के दौरे से पहले ही आयरलैंड टीम को करारा झटका लगा है। आयरलैंड के सबसे सफल कप्तान विलियम पोर्टरफील्ड ने खेल को अलविदा कह दिया है। 37 साल के पोर्टरफील्ड ने आयरलैंड की ओर से 200 से अधिक मैच खेले हैं। वह आयरलैंड के सबसे सफल कप्तान भी रहे हैं। पोर्टरफील्ड आयरलैंड की ओर से एकदिवसीय में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में दूसरे नंबर पर हैं। वहीं सबसे ज्यादा रनों के मामले में पहले नंबर पर केविन ओब्रायन भी हैं। आयरलैंड को भारत के खिलाफ 26 और 28 जून को टी20 मैच खेलने हैं।पोर्टरफील्ड ने 212 इंटरनेशनल मैच खेले और इनमें से 172 में कप्तानी की है। पोर्टरफील्ड ने सबसे ज्यादा 148 एकदिवसीय मैच खेले हैं। जिसमें उन्होंने 61 टी20 मैच और 3 टेस्ट मैच भी खेले हैं। पोर्टरफील्ड ने 148 एकदिवीसय मैच खेलकर 4343 रन बनाए। इनमें 11 शतक भी शामिल हैं। उन्होंने 61 टी20 मैच में 1079 रन भी बनाए हैं।

संक्षिप्त समाचार

डब्ल्यूटीटी कंटेंडर : विश्व नंबर 6 खिलाड़ी को हराकर साथियान अगले दौर में पहुंचे

नई दिल्ली : भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी जी साथियान ने क्रोएशिया के जाग्रेब में चल रही 'डब्ल्यूटीटी कंटेंडर' प्रतियोगिता में विश्व में छठे नंबर के खिलाड़ी और मौजूदा यूरोपीय चैंपियन जोर्गिक डार्को को 3-1 से हराकर के पुरुष एकल के अगले दौर में प्रवेश किया। साथियान ने बेहतरीन खेल दिखाया और दूसरी वरीयता प्राप्त स्लावेनियाई खिलाड़ी को 6-11, 12-10, 11-9, 12-10 से पराजित किया। साथियान ने बाद में ट्वीट किया, 'मैंने आज रात विश्व में छठे नंबर के खिलाड़ी और मौजूदा यूरोपीय कप चैंपियन जोर्गिक डार्को (स्लोवेनिया) को 3-1 से हराकर यहां डब्ल्यूटीटी कंटेंडर जाग्रेब 2022 में पुरुष एकल के राउंड 32 में बड़ी जीत दर्ज की।' साथियान की दुनिया में शीर्ष 10 में शामिल खिलाड़ी पर यह दूसरी जीत है। इससे पहले साथियान ने 2019 में एशियाई चैंपियनशिप के दौरान जापान के पूर्व विश्व नंबर पांच खिलाड़ी तोमाकाजू हरिमोतो को हराया था। साथियान 28 जुलाई से शुरू होने वाले बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के लिये भारतीय टेबल टेनिस टीम का हिस्सा हैं।

अफरीदी ने विराट के रुख पर उठाये सवाल

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली पर निशाना साधा है। अफरीदी ने कहा है कि विराट का रुख सही नहीं लगता। वह ऐसा लगता है कि जैसे समय बिता रहे हैं। वह लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शतक नहीं लगा पाये हैं। अफरीदी ने विराट पर सवाल उठाते हुए कहा, 'क्या कोहली अभी भी उसी प्रेरणा के साथ खेल रहे हैं जो शुरुआती वर्षों के दौरान की थी।' साथ ही पूछा, 'क्या कोहली फिर से नंबर 1 बनना चाहेंगे? या उन्होंने जो हासिल किया है उसी से वह संतुष्ट हैं।' अफरीदी ने कहा, 'क्रिकेट में आपका रुख बहुत मायने रखता है। यह वही है जिस पर मैं सबसे ज्यादा बात करता हूं। आप क्रिकेट के प्रति गंभीर रुख रखते हैं या नहीं।' अफरीदी ने आगे कहा, 'करियर के शुरुआत में विराट कोहली दुनिया के नंबर 1 बल्लेबाज बनना चाहते थे। क्या वह उसी प्रेरणा के साथ अब क्रिकेट खेल रहे हैं। यह एक बड़ा सवाल है।' अफरीदी के अनुसार 'उनके पास क्लास है पर क्या वह फिर नंबर 1 बल्लेबाज बनना बनना है। या वह सोचते हैं कि उन्होंने जीवन में सब कुछ हासिल कर लिया है। बस अब आराम करो और टाइम पास करो।' अब उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक लगाए दो साल से ज्यादा का समय बीत गया है। आईपीएल के इस सत्र में भी उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा।

आयरलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में जगह न मिलने से निराश है राहुल तेवतिया

-आईपीएल में गुजरात के लिए रहे थे मैच विनर

नई दिल्ली ।

भारतीय टीम का आयरलैंड दौरा घोषित हो गया है। इस टीम की कमान हार्दिक पांड्या को सौंपी गई है जबकि अनुभवी गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को उप-कप्तान बनाया गया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौका न मिलने से निराश राहुल त्रिपाठी को पहली बार टीम में शामिल किया गया है उन्होंने आइपीएल में 150 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से 14 मैचों में 413 रन बनाए थे। लेकिए एक खिलाड़ी अब भी निराश है जिनका नाम आयरलैंड दौरे के लिए टीम इंडिया में नहीं है। आइपीएल में गुजरात की टीम के लिए मैच विनर रहे राहुल तेवतिया की उम्मीदों को झटका लगा है। उन्हें उम्मीद थी कि आयरलैंड के खिलाफ उन्हें मौका मिलेगा लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। उन्होंने सेलेक्शन न होने पर ट्विट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सैड इमोजी के साथ लिखा है कि एक्सपेक्टेशन हट्र्स।

उनके इस ट्विट पर कई क्रिकेट फैंस ने उनका साथ दिया है और लिखा है कि जल्द ही उन्हें मौका मिलेगा। आइपीएल 2022 राहुल के लिए अच्छा गुजरा था। उन्हें भले ही ज्यादा मैचों में बल्लेबाजी करने का मौका न मिला हो लेकिन जब भी उन्हें बल्लेबाजी में मौका मिला उन्होंने अपनी छाप छोड़ी। राहुल ने 16 मैचों में 147.62 की स्ट्राइक रेट से 217 रन बनाए और दो मैचों में गुजरात के लिए मैच को फिनीश किया। पंजाब किंग्स के खिलाफ खेली गई उनकी पारी को कोई नहीं भूल सकता जहां उन्होंने ओडियन स्मिथ की आखिरी 2 गेंदों पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई थी।

तेवतिया की उस पारी के बाद महान सुनील गावस्कर ने उनकी तारीफ की थी और विपरीत परिस्थितियों में भी शांत रहने की उनकी क्वालिटी को आइसमैन बताया था। इसके अगले मैच में ही तेवतिया ने 21 गेंदों पर 40 रन की विस्फोटक पारी खेल कर अपनी टीम को रोमांचक जीत दिलाई थी।

हुरकाज ने हूम्बर्ट को हराया, दानिल मेदवेदेव पहला मैच जीते

हाले : गत चैम्पियन उगो हुम्बर्ट और दूसरी वरीयता प्राप्त स्टेफानोस सिटसिपास हाले ओपन टेनिस के दूसरे दौर में हारकर बाहर हो गए। हुम्बर्ट को हुबर्ट हुरकाज ने 7.6, 6.3 से हराया जबकि निक किर्गियोस ने सिटसिपास को 5.7, 6.2, 6.4 से मात दी। आस्ट्रेलियाई वाइल्ड कार्डधारी किर्गियोस का सामना अब पाब्लो कारेनो बुस्टा से होगा जिसने सेबेस्टियन कोरडा को 6.4, 0.6, 6.3 से हराया। वहीं हुरकाज अब फेलिक्स आगेर एलियास्सिमे से खेलेंगे जिन्होंने मैकेंजी मैकडोनाल्ड को 7.6, 6.1 से हराया। शीर्ष रैंकिंग वाले दानिल मेदवेदेव ने डेविड गोफिन को 6.3, 6.2 से हराया। अब इस रूसी खिलाड़ी का सामना बेलारूस के इलया इवाश्का से होगा।

क्वींस क्लब पर सिलिच ने बुबलिक को हराया, पॉल ने शापोवालोव को मात दी

पूर्व विम्बलडन उपविजेता मारिन सिलिच ने अलेक्जेंडर बुबलिक को 7.6, 7.5 से हराकर क्वींस क्लब टेनिस के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। वहीं टॉमी पॉल ने छठी वरीयता प्राप्त डेनिस शापोवालोव को 6.4, 2.6, 6.4 से हराया। बोटिच वान डे जेंडस्शल्प ने ग्रिगोर दिमित्रोव को 7.6, 6.3 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। यहां दो बार के चैम्पियन रहे सिलिच का सामना अब क्वालीफायर एमिल रूसुवुओरी से होगा जिन्होंने ब्रिटेन के जैक ड्रेपर को 6.2, 7.6 से मात दी। अलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना ने अलेक्स डे मिनाउर को 4.6, 6.4, 7.5 से हराया और अब क्वार्टर फाइनल में बोटिच से खेलेंगे। पॉल का सामना दूसरे दौर में स्टान वावरिंका से होगा।

भारत के नितिन मेनन का आईसीसी के एलीट पैनल में कार्यकाल बढ़ा

राजकोट । भारतीय अंपायर नितिन मेनन को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आईसीसी एलीट पैनल में बनाये रखा है। वह इस महीने के अंत में पहली बार श्रीलंका में तटस्थ अंपायर के रूप में अपनी सेवाएं देंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी ने कहा कि आईसीसी ने मेनन का एलीट पैनल में कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ाया है। मेनन एलीट पैनल के 11 सदस्यों में एकमात्र भारतीय हैं। इस अधिकारी ने कहा, 'आईसीसी ने हाल में मेनन का कार्यकाल एक साल के लिये बढ़ा दिया है। वह पिछले तीन चार वर्षों में हमारे प्रमुख अंपायर रहे हैं। वह इस अंत के अंत में तटस्थ अंपायर के रूप में पदार्पण करेंगे।' मेनन को 2020 में कोविड-19 महामारी की शुरुआत में एलीट पैनल में शामिल किया गया था। वह एस वेंकटराघवन और एस रवि के बाद एलीट पैनल में शामिल होने वाले तीसरे भारतीय बने थे। मेनन हालांकि भारत में ही अंतरराष्ट्रीय मैचों में अंपायरिंग कर पाए थे क्योंकि करोना संक्रमण के कारण आईसीसी ने स्थानीय अंपायरों को यात्रा प्रतिबंधों के कारण घरेलू श्रृंखला के मैचों में अंपायरिंग की अनुमति दी थी।

इटली और नॉर्वे का दौरा करेगी भारत की अंडर-17 महिला टीम

नई दिल्ली । भारत की अंडर-17 महिला टीम आगामी फीफा अंडर-17 विश्व कप की तैयारी के सिलसिले में दो टूर्नामेंटों में भाग लेने के लिए इटली और नॉर्वे का दौरा करेगी। भारत अक्टूबर-नवंबर में अंडर-17 महिला विश्व कप की मेजबानी करेगा। भारतीय युवा टीम यूरोप के इस दौरे के दौरान दो टूर्नामेंट में भाग लेगी। वह 22 से 26 जून तक इटली में छठे टोरनेओ महिला फुटबॉल टूर्नामेंट और एक से सात जुलाई तक नॉर्वे में ओपन नॉर्डिक अंडर-16 टूर्नामेंट में खेलेगी। भारतीय टीम पहली बार नॉर्डिक टूर्नामेंट में भाग लेगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार भारत का सामना 22 जून को इटली से होगा। भारत के अलावा चिली, इटली और मैक्सिको भी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे। नॉर्वे में ओपन नॉर्डिक टूर्नामेंट मे आठ टीम नीदरलैंड, भारत, नॉर्वे, आइसलैंड, डेनमार्क, फैरो आइलैंड्स, फिनलैंड और स्वीडन एक-दूसरे के खिलाफ मैच खेलेंगी। भारत का सामना एक जुलाई को नीदरलैंड से होगा। मुख्य कोच थॉमस डेननरबी ने इस दौरे के लिये 23 खिलाड़ियों का चयन किया है।

यूरोपीय दौरे के लिए भारतीय टीम :

गोलकीपर : मोनालिसा देवी, हेमप्रिया सेराम, कीशम मेलोडी चानू।

रक्षापंक्ति : अस्तम उरांव, काजल, भूमिका माने, नकेता, पूर्णिमा कुमारी, शुभांगी सिंह, सुधा अंकिता टिर्की, वार्शिका

मध्यपंक्ति : बबीना देवी, ग्लेडिस ज़ोनुनसंगी, मिशा भंडारी, पिंकू देवी, नीतू लिंडा, शैलजा

अग्रिम पंक्तिः अनीता कुमारी, नेहा

डी : रेजिया देवी लैशराम, शेलिया देवी, लिंडा कॉम सर्टो

बोस्टन में गोल्डन स्टेट वैरियर्स गार्ड स्टीफन करी लैरी ओ ब्रायन ट्रॉफी उठाये हुए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सब्जियों को दें उन्नत तकनीक की खुराक

लम्बी अवधि वाले पौधों में शीघ्र पुष्पन

आलू, पालक, मिर्च इत्यादि में जल्दी ही फूल आ जाते हैं जिबरेलिक एसिड 200-800 पी.पी.एम सान्द्र घोल से छिड़काव करना चाहिए व 2,4 डी के 100 पी.पी.एम. घोल का शकरकंद के ऊपर छिड़काव करने से फूल जल्दी आ जाते हैं. सब्जी के पौध रोपण को अच्छा बनाने के लिए व हानिकारक प्रभाव से बचाने के लिए नेप्थेलिन एसिटिक एसिड, इण्डोल एसिटिक एसिड के द्वारा जड़ों को 0.1-0.2 मि.ग्रा. प्रति लीटर 24 घंटे तक उपचारित करें यह टमाटर, बैंगन व गोभीवर्गीय फसलों में लाभदायक होता है. सब्जियों को बहुत अधिक सर्दी से बचाने के लिये 0.75 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर साइकोसिल (सी.सी.सी.) का छिड़काव कलिका बनने से पहले आलू की फसल में करने से पौधों में अधिक सर्दी को सहन करने की क्षमता आ जाती है. टमाटर में 0.4 से 0.5 प्रतिशत साइकोसिल और जिबरेलिक एसिड 25 पी.पी. एम. के छिड़काव से इसे सर्दी के प्रति कठोर बनाया जा सकता है. मादा पुष्पों की संख्या बढ़ाने (जिनमें नर व मादा फूल अलग-अलग आते हैं -जैसे कुकरबिटेशी कुल के पौधों में व खीरा, लौकी में जिबरेलिक एसिड का 10-30 पी.पी.एम. घोल का छिड़काव हो जाता है. जिससे मादा पुष्पों की संख्या में वृद्धि हो जाती है व उपज भी बढ़ जाती है इसके अतिरिक्त खीरा तथा लौकी में मौलिक हाइड्राक्साइड के दो छिड़काव 25 से 50 पी.पी.एम. दो या चार परती अवस्था में करना चाहिए जिससे मादा पुष्पों की संख्या बढ़ जाती है व उपज में वृद्धि हो जाती है. फलों को सुचारू रूप से बनने तथा विकास को नियमित करने में - टमाटर, मिर्च के लिये नेप्थेलिन एसिटिक एसिड का 20 पी.पी.एम. तथा बैंगन के लिये इण्डोल एसिटिक एसिड 50-100 पी.पी.म के घोल का छिड़काव करें जिससे फलों का विकास अच्छी प्रकार से होता है.

पार्थेनोकार्पी व फलों के विकास में - बैंगन तथा कुकरविट्स में 2,4 डी 25-30 पी.पी. एम. व नेप्थेलीन एसिटिक एसिड 200 पी.पी. एम. के घोल का छिड़काव करने से बीज रहित फल का निर्माण होता है. फलों को एक समान पकाने व रंग लाने के लिये- टमाटर को 1000 पी.पी.एम. व मिर्च को 2000-5000 पी.पी.एम. से दो मिनट तक उपचारित करने से फल एक समान पकते हैं व समान रंग आता है जिससे बाजार मूल्य अच्छा मिलता हैं.

पौध वृद्धि हार्मोन्स

पादप हार्मोन्स एक विशेष कार्बनिक यौगिक है जो परिवहन पश्चात पादपों के अन्य अंगों में पहुंचकर अत्यंत सूक्ष्म मात्रा में वृद्धि तथा उपापचय क्रियाओं को प्रभावित तथा नियंत्रित करते हैं. इन्हें पादप हार्मोन्स कहा जाता है इसको निम्न दो वर्गों में बाँटा गया है :-

आक्जिन

अ. इण्डोल ऐसिटिक एसिड, ब. इण्डोल ब्यूटाइरिक एसिड, स. नेप्थेलिन ऐसिटिक एसिड

जिबरेलिक

अ. जिबरेलिक एसिड
साइटोकाइनिन - काइनेटिन, जियेटिन
वृद्धि रोधक
एबसिसिक एसिड

इथाइलीन

पौध वृद्धि नियामकों का सब्जी उत्पादन में लाभदायक प्रयोग -

प्रसुप्ता अवस्था तोड़ने

(अ) आलू फसल में यदि एक प्रतिशत याथोयूरिया, इथाइलीन क्लोराइड या जिबरेलिक एसिड का उपयोग करते हैं तो प्रसुप्तावस्था को तोड़ा जा सकता है. (ब) आलू को बुवाई पूर्व जिबरेलिक एसिड 0.5 मि.ग्रा. प्रति लीटर व बैंगन में 15-25 पी.पी. एम. तथा लौकी, खरबूजा और तरबूज इत्यादि को एथीफान 500 पी.पी. एम. से 24 घंटे तक बीज को बुवाई से पहले भिगोंये.

पाला से बचाने के लिये

टमाटर व पालक को पाला से बचाने के लिये एसिटिक एसिड का खीरा में जिबरेलिक एसिड 1 पी.पी.एम. का उपयोग किया जाता है.

सब्जियों (टमाटर, मिर्च) के पौधों में फलों के गिरने से बचाने के लिये प्लेनोफिक्स 10-20 पी.पी.एम. घोल का छिड़काव करें जिससे फलों को गिरने से रोका जा सकता है.

प्याज में इथियान की 500-1000 पी.पी.एम. की 4-5 पत्ती अवस्था में प्रयोग करने से प्याज की गोंढ़ बनना शीघ्र प्रारंभ हो जाती है.

चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार के नियंत्रण में 2,4 डी का छिड़काव किया जाता है.

उपरोक्त मात्रा को किसान भाई सही मात्रा व सही समय पर प्रयोग करके सब्जियों के उत्पादन में अधिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं.

पौध वृद्धि नियामकों के प्रयोग के समय रखी जाने वाली सावधानियाँ

- अधिक मात्रा में इनका प्रयोग करने पर यह डेण्डू की वृद्धि एवं विकास के साथ-साथ गुणवत्ता पर हानिकारक प्रभाव डालता हैं.
- इनका प्रयोग सही अनुपात में करना चाहिए अन्यथा यह सिंक एवं सोर्स के संबंध पर हानिकारक प्रभाव डालते हैं. जिससे डेण्डू का गिरना तथा विभिन्न प्रकार के फिजियोलॉजिकल डिस्आर्डर होने की संभावना बढ़ जाती है. ●

यह महंगे होते हैं और बाजार में आसानी से नहीं मिल पाते है. जिससे किसान इसका प्रयोग अपनी फसलों की उपज बढ़ाने के साथ-साथ विभिन्न प्रकार की समस्याओं का समाधान नहीं कर पाते हैं.

प्रदूषित मिट्टी की पहचान एवं समाधान

मिट्टी को उपजाऊ बनाये रखने के लिये आवश्यक है कि उसे क्षरण और प्रदूषण से बचावें। परंतु उससे पहले यह जानना होगा कि क्या मिट्टी में पोषक तत्वों की कमी से उत्पादकता कम हो रही है या प्रदूषण में जमा हो रहे पदार्थो से उर्वराशक्ति क्षीण हो रही है और यदि मिट्टी में प्रदूषित हो रही है तो उसके कारकों को जाने उवं प्रबंधन करें अन्यथा मनुष्य का जीवन भी सुरक्षित नहीं होगा जिसके कारण वर्तमान समय में नई-नई बीमारियां पैदा हो रही हैं। कुछ प्रदूषण के कारक निम्नानुसार हैं:

कृषि रसायनिकों के द्वारा मिट्टी प्रदूषणः परंपरागत खेती में मिट्टी में पोषक तत्वों का चक्र मिट्टी-पौधे-पशु-मिट्टी होता था जो आज की आधुनिक खेती में रसायनिक उर्वरकों के कारण छोटा हो गया है इस कारण पौधे/पशु अवशेषों से मिट्टी में प्रदूषण बढ़ा है गुणवत्ता बढ़ाने के स्थान पर प्रदूषित करते हैं। कृषि में प्रयोग किये जाने वाले कृषि रसायनों द्वारा प्रदूषण निम्न प्रकार से होता है।

(अ) रसायनिक कीटनाशियों में मुख्य रूप से दो प्रकार के कीटनाशी प्रयोग किये जाते हैं। वे निम्न है

ओरगेनोंक्लोरीनस

ये कीटनाशी मिट्टी में जीवाणुओं द्वारा अपघटित नहीं होते हैं जिसके कुछ अंश वर्षो तक मिट्टी में विद्यमान रहते हैं जिनके कारण हार्मोन्स एवं एंजाइम्स की क्रियायें परिवर्तित हो जाती है जिससे उर्वरता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। जैसे डीडीटी, बीएचसी आदि।

ओरगेनोफास्फेट

ये मिट्टयों में अधिक मात्रा में प्रयोग किये जाते हैं परंतु जीवाणुओं द्वारा जल्दी अपघटित हो जाते हैं और जीव-जंतुओं के शरीर में संचित नहीं होते हैं।

- **फफूंदनाशकों के द्वारा मिट्टी प्रदूषण:** पारायुक्त रासायनों के उपयोग से मृदा के लाभकारी जीवाणुओं को हानि पहुंचाते हैं जो मिट्टी के संतुलन पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। इन पर भारत शासन द्वारा 1996 में प्रतिबंध लगा दिया है जैसे- एग्रोसान, मोनोसान बीजोपचार दवाओं द्वारा मिट्टी प्रदूषण होता है।
- **खरपतवार नाशकों के द्वारा मिट्टी प्रदूषण:** खरपतवार नाशी मिट्टी परिस्थितिकी को प्रभावित करते हैं साथ ही प्रकाश संश्लेषण की क्रिया पर भी सीधा कुप्रभाव डालते हैं। कुछ खरपतनाशी रसायन दलहनी मिट्टी जीवाणुओं को नष्ट कर देते हैं।

ठोस एवं जलीय अपद्रव्यों द्वारा मृदा प्रदूषण

ठोस एवं जलीय अपद्रव्य मिट्टी में निम्नलिखित स्त्रोतों द्वारा मिट्टी में पहुंच कर मिट्टी की उर्वराशक्ति को क्षीण करती हैं।

- **कारखानों के अपद्रव्यों द्वारा प्रदूषण:** फेक्ट्रियों एवं कारखानों से निकली ठोस एवं जलीय अपद्रव्यों को बिना उपचारित किये मिट्टी में विसर्जित करना मिट्टी एवं फसल दोनों को घातक है इनमें विषैले तत्व मिले होने के कारण मिट्टी की उर्वराशक्ति पर घातक प्रभाव डालती हैं। इन ठोस एवं जलीय अपद्रव्यों से मिट्टी की भौतिक, रसायनिक एवं जैविक दशा भी परिवर्तित हो जाती है।
- **रेडियो धर्मी पदार्थो द्वारा प्रदूषण:** रेडियो धर्मी पदार्थ कई प्रकार से मिट्टी में विद्यमान रहते हैं जो जीवों के अलावा मिट्टी की उर्वरता पर भी प्रतिकूल प्रभव डालते हैं।
- **मृत पशुओं से प्रदूषण:** मृत पशुओं को खुला छोड़ने से जीवाणुओं की क्रियाओं से मांस सड़ने लगता है जिससे मिट्टी में कई प्रकार के विकार उत्पन्न हो जाते हैं।
- **घरों का कचड़ा खेतों में फेंकने से प्रदूषण:** किसान भाई बिना गड्ढे में सड़ाये घर का कचड़ा खेतों में डाल देते हैं जो जीव और पौधों को हानि पहुंचाते हैं। और मिट्टी भी प्रदूषित हो जाती है जिसमें कीड़े आदि मिट्टी में उपलब्ध हो जाते हैं।
- **कारखानों के निकली गैसों द्वारा प्रदूषण:** कारखानों के निकली गैसों एवं धुएं में सल्फर एवं नाइट्रोजन के आक्साइड वायुमण्डल से नमी से क्रिया करके गंधक अम्ल और नाइट्रिक अम्ल बनाते हैं जो वर्षा जल या नम धुन्ध से भूमि पर गिरते हैं और मृदा की अम्लीयता को बढ़ाते हैं।

रासायनिक उर्वरकों द्वारा प्रदूषण

मिट्टी में रसायनिक उर्वरकों द्वारा तब प्रदूषण अधिक होता है जब बिना मिट्टी जांच कराये असन्तुलित उर्वरकों का उपयोग किया जाता है। ऐसी स्थिति में यदि बुवाई करते समय नमी की कमी होने पर पौधों को जला देती है। साथ ही मिट्टी की भौतिक रसायनिक दशा बदल देती हैं अम्लीयता क्षारीयता को बढ़ा देती है।

- **जल भराव के कारण प्रदूषण:** अधिक जल भराव की स्थिति में मिट्टी लवणीय हो जाती हैं जिससे सूक्ष्म जीवाणुओं की गतिविधियां रूक जाती हैं और मिट्टी प्रदूषित हो जाती है।
- **उत्खनन एवं भवन निर्माण कार्यो से प्रदूषण:** खनिजों के उत्खनन एवं भवन निर्माण कार्यो से प्रदूषण ऊपरी सतह पर खदानों से बहकर हानि कारक पदार्थ जमा हो जाते हैं या निर्माण के समय बचे हुए पदार्थ बह कर मिट्टी सतह पर इकट्ठे हो जाते हैं जिससे मिट्टी की उर्वरता प्रभावित होती है।
- **वनों की अंधाधुन्ध कटाई से प्रदूषण:** वनों के पेड़ों की कटाई से मिट्टी क्षरण बढ़ता है साथ ही वर्षा भी कम होती है जिससे मिट्टी की उर्वराशक्ति क्षीण होती है।

देश की बढ़ती जनसंख्या के भरण

पोषण के लिये आवश्यक हो गया है कि हमारे देश की उपलब्ध मिट्टी को सुरक्षित कैसे किया जाये क्योंकि खेती योग्य जमीन लगातार भवन निर्माण आदि में उपयोग होकर घटती जा रही है तथा कुछ क्षेत्र अम्लीयता क्षारीय के कारण खेती के अयोग्य होता जा रहा है। भविष्य को ध्यान में रखते हुए आज विचार आवश्यक है अन्यथा बहुत देर हो गई होगी जब हमारा देश खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भता खो देगा इसलिये आज मिट्टी प्रदूषण का नियंत्रण नहीं प्रबंधन जरूरी है जो हर देशवासी का मानवीय कर्तव्य है।

मिट्टी प्रदूषण को रोकने के लिए प्रबंधन

- एकीकृत पौध संरक्षण अपनाते हुए कीट नियंत्रण करें जब तक आवश्यक न हो तब तक कीट रसायन उपयोग न करें और यदि करना आवश्यक हो तो कृषि विशेषज्ञ की सलाह से अनुसंशित मात्रा को उचित विधि से उपयोग करें।
- रासायनिक खादों का उपयोग मिट्टी की जांच उपरांत आवश्यक मात्रा को उचित विधि व समय पर दें।
- खरपतवार प्रबंधन में जहॉ तक संभव हो यांत्रिकी विधियों का उपयोग करें यदि रसायन उपयोग करना हो तो उचित सहाय के बाद ही उपयोग करें।
- कारखानों से निष्काषित पदार्थ जल को वैज्ञानिक विधियों द्वारा उपचारित कर शुद्ध करके ही खेतों में दें।
- कारखानों से निष्काषित गैसों की चिमनियों को ऊंचा बनाया जाये और उसके ऊपर वायु शोधन यंत्र भी होना आवश्यक है।
- अधिक वर्षा एवं पर्यावरण शुद्धिकरण हेतु वनों की कटाई न करें बल्कि खेतों की मेढ़ों पर वृक्ष लगावें।
- खेतों की मेढ़ बंदी करें, खेतों को समतल करें और जल निकास की उचित व्यवस्था करें जिससे मिट्टी कटाव न हो।
- घरों से निकलने वाले कचड़े का कम्पोस्ट बनाकर खेतों में डालें।
- मल-मूत्र एवं गंदे पानी को खेतों में सीधा न जाने दें।
- भवन एवं सड़क निर्माण से बचे हुए कचड़े को खेतों में न डालें तथा खदानों के प्रदूषित पानी को खेत में न आने दें।
- यदि खेतों में वायु प्रदूषण के कारण अम्लीयता बढ़ रही है तो मृदा में चूना का उपयोग करें। साथ ही अम्लीयता सहन करने वाली फसलों की बुवाई करें।
- यदि खेतों की क्षारीयता बढ़ रही हो तो जिप्सम उपयोग के साथ-साथ जैविक खादों का उपयोग बढ़ावें।

मूंग का भभूतिया रोग

यह रोग दुनिया भर में पाया जाता है, जहां मूंग की खेती होती है, मध्यप्रदेश में मूंग का क्षेत्रफल 84 हजार हेक्टेयर एवं उत्पादन 28 हजार टन हैं। भारत में यह रोग सन 1918 में रिपोर्ट किया गया था। मूंग पर इस रोग का आक्रमण फलियों के बनते समय आसमान में बादल छायें हो तब अधिक होता है। शीघ्र पकने वाली जातियों में हानि कम होती है। परंतु रोग का जब भीषण प्रकोप होता है तब खेत में फलियों की संख्या 20 से 30 प्रतिशत तक घट जाती है और उपज में 40 प्रतिशत तक की कमी हो जाती है। इस रोग को उत्पन्न करने वाला कवक इरीसाईफी पीसी संसार के विभिन्न भागों में 300 से अधिक परपोषी जातियों पर पाया जाता है और इस कवक के विभिन्न क्रियात्मक प्रभेद कुछ अन्य फसलों जैसे-धनिया, सौंफ, रिजका, उड़द, मटर, गोभी इत्यादि पर भी संक्रमण करते हैं।

लक्षण

सर्वप्रथम रोग पौधों की पत्तियों पर दिखाई देता है तथा बाद में पौधों के दूसरे भागों पर भी फैल जाता है। प्रारंभ में पत्तियों की दोनों सतहों पर सफेद चूर्णी धब्बे बनते हैं जो बाद में फली एवं तने इत्यादि के ऊपर भी बन जाते हैं । पहले धब्बे छोटी-छोटी रंगहीन चित्तियों के रुप में बनते हैं परंतु अंत में इनके चारों ओर चूर्णी समूह फैल जाता है। इस प्रकार से रोगी पौधे छोटे रह जाते हैं उन पर फलियां भी कम लगती हैं तथा दाने हल्के होते है। पत्तियों के जिस स्थान पर परजीवी का कवक जाल फैला रहता है वहां की कोशिकायें ऊतकक्षय के कारण मर जाती है संक्रमित पत्तियां पीली पड़ कर मुड़ जाती है और अंत मे गिर जाती है। रोग का अधिक प्रकोप होने पर पौधा मर जाता है।

कवक इरीसाईफी पीसी अनेक एक वर्षीय एवं बहुवर्षीय परपोषी पौधों पर आक्रमण करता है। पूरे वर्ष अपनी कोनिडियमी अवस्था में ही जीवित बना रहता हैं। वैसे इसके क्लाइस्टोथिसियम भूमि में गिरे पौधों के रोगग्रस्त अवशेषों पर बनते है और यह इन्ही के द्वारा एक मौसम से दूसरे मौसम में जीवित बना रहता है। अगले मौसम में क्लाइस्टोथीसियम भूमि के समीप वाली पत्तियों पर सबसे पहले संक्रमण करते है। रोग का द्वितीयक संक्रमण, प्राथमिक संक्रमण से बने कवकजाल द्वारा उत्पन्न कोनिडियमों से होता है कोनिडियमों का फैलाव (प्रकीर्णन) वायु द्वारा होता है एवं मूंग के बीजों में उपस्थित प्रसुप्त कवकजाल के द्वारा होता है।

रोग नियंत्रणः सफाईः भूमि में पड़े रोगी पौधों के अवशेषों को एकत्र करके सुरक्षित स्थान पर जला देना चाहिये।

भभूतिया निरोधक जातियां

पूसा बोल्ड, नरेन्द्र मूंग -1 , पीडीएम-139 (सम्राट), एमएल-515, के-851. 25 से 30 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से गंधक चूर्ण को भुरकना चाहिये। किसी घुलनशील गंधक कवकनाशी जैसेः थायोविट, इलोसाल, सल्फैक्स, इनसल्फगोल्ड आदि की 3 किलो ग्राम मात्रा को 500 से 700 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर के हिसाब से 2 या 3 बार छिड़काव करना चाहिए। पहला छिड़काव रोग के प्रारंभ होते ही तथा दूसरा व तीसरा छिड़काव 10 से 15 दिनों के अंतराल पर करना चाहिए। विटावैक्स 0.1 प्रतिशत (1 ग्राम प्रति लीटर जल) का छिड़काव करके भी इस रोग को रोका जा सकता है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिका के गिरफ्त में होंगे विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे

लंदन। ब्रिटेन सरकार ने जासूसी के आरोपों में विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे को अमेरिका प्रत्यर्पित किए जाने की मंजूरी दे दी है। हालांकि वह इसके खिलाफ अपील कर सकते हैं। गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि गृह मंत्री प्रीति पटेल ने प्रत्यर्पण आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। इससे पहले ब्रिटेन की एक अदालत ने अप्रैल में व्यवस्था दी थी कि असांजे को अमेरिका प्रत्यर्पित किया जा सकता है। गृह विभाग ने एक बयान में कहा कि ब्रिटेन की अदालतों ने यह नहीं पाया है कि ''असांजे का प्रत्यर्पण

दमनकारी, अन्यायपूर्ण या प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा। अमेरिका भेजे जाने से बचने के लिए असांजे की वर्षों तक चली कानूनी लड़ाई में यह एक बड़ा मोड़ है। हालांकि असांजे के प्रयासों का यह अंत नहीं है और उनके पास इसके खिलाफ अपील करने के लिए 14 दिन का समय है। ब्रिटेन के एक न्यायाधीश ने अप्रैल में असांजे के प्रत्यर्पण को मंजूरी देते हुए अंतिम निर्णय सरकार पर छोड़ दिया था। यह निर्णय ब्रिटेन के उच्चतम न्यायालय तक पहुंची कानूनी लड़ाई के बाद आया। अमेरिकी अभियोजकों का कहना है कि असांजे ने गोपनीय राजनयिक केबल और सैन्य फाइल चुराने में अमेरिकी सेना के खुफिया विश्लेषक चेल्सी मैनिंग की मदद की, जिन्हें बाद में विकीलीक्स ने प्रकाशित किया, जिससे लोगों का जीवन जोखिम में पड़ गया।

नेपाल में मंकीपॉक्स का संदिग्ध मामला सामने आया

काठमांडू। दुबई से लौटे 26 वर्षीय एक नेपाली नागरिक को बृहस्पतिवार को मंकीपॉक्स के लक्षणों के साथ यहां के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। 'काठमांडू पोस्ट' अखबार ने 'सुक्रराज ट्रॉपिकल एंड इंफेक्शियस डिजीज हॉस्पिटल' के अधिकारियों के हवाले से खबर दी है कि त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के स्वास्थ्य डेस्क पर तैनात स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा उस व्यक्ति को अस्पताल रेफर किया गया था। रिपोर्ट में अस्पताल की निदेशक डॉ मनीषा रावल के हवाले से कहा गया है, 'संबंधित व्यक्ति पिछले एक हफ्ते से बुखार से पीड़ित है और उसके पूरे शरीर पर चकत्ते हैं। हमने उसे पृथक कर इलाज शुरू कर दिया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अधीन एजेंसियों के समन्वय में आगे की जांच की जाएगी।'' इस वर्ष, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) को 39 देशों से मंकीपॉक्स के 1,600 से अधिक पुष्ट और लगभग 1,500 संदिग्ध मामलों की सूचना मिली है। इन देशों में 32 नए प्रभावित देश शामिल हैं, जबकि सात ऐसे देश हैं, जहां वर्षों से मंकीपॉक्स का मामला है।

इस्लामिक स्टेट के इस बड़े नेता को पकड़ा, बम बनाने और लड़ाई का प्रबंध करने में है माहिर

बेरूत। अमेरिका के नेतृत्व वाले गठबंधन के सुरक्षा बलों ने बृहस्पतिवार को उत्तरी सीरिया में एक सैन्य अभियान के दौरान इस्लामिक स्टेट के बड़े नेता को पकड़ लिया। गठबंधन ने यह जानकारी दी। गठबंधन ने एक बयान में कहा कि उसके द्वारा पकड़ा गया नेता बम बनाने और लड़ाई का प्रबंध करने में माहिर है। गठबंधन ने उसे इस्लामिक स्टेट की सीरिया शाखा के शीर्ष नेताओं में से एक बताया है। बयान में व्यक्ति की पहचान नहीं बताई गई है और न ही यह बताया गया कि अभियान कहां चलाया गया। बयान में कहा गया है कि अभियान सफल रहा और इस दौरान न कोई नागरिक हताहत हुआ और न ही गठबंधन बलों को कोई नुकसान हुआ।

कुवैत ने फिर से पैगंबर विवाद को लेकर भारत पर निशाना साधा, एक्शन की मांग की

कुवैत । कुवैत ने फिर से पैगंबर विवाद को लेकर भारत पर निशाना साधा है। बीजेपी की निलंबित नेता नूपुर शर्मा के बयान के बाद भारतीय राजदूत को तलब करने वाले कुवैत के 30 सांसदों ने पैगंबर का अपमान करने के लिए भारत के खिलाफ एक्शन की मांग की है। कुवैती सांसदों ने सरकार से आह्वान किया कि वह भारत पर हर तरह का दबाव बनाए। इससे पहले कुवैत सहित ज्यादातर मुस्लिम देशों में पैगंबर के अपमान को लेकर भारत के खिलाफ अभियान शुरू हो गया था। कुवैत के 50 सदस्यीय नैशनल असेंबली में से 30 सांसदों ने भारत के मुसलमानों को अपना भाई बताकर उनके खिलाफ पुलिस कार्रवाई की आलोचना की। इस बीच बड़ी संख्या में सोशल मीडिया पर सक्रिय भारत विरोधी लोगों ने खाड़ी देशों में रह रहे 80 लाख भारतीयों में से हिंदुओं के समर्थकों को पैगंबर का अपमान और भारतीय मुस्लिमों के खिलाफ हुई पुलिस कार्रवाई के विरोध में अपने देश से वापस भेजने की मांग की है। कुवैत नैशनल असेंबली के सदस्?यों ने पैगंबर के अपमान को खारिज कर दिया। इस बयान में भारत सरकार के भारतीय मुस्लिमों और उनकी संपत्ति के खिलाफ की गई कार्रवाई की निंदा की गई है। उन्होंने मुस्लिमों को सुरक्षा देने की मांग की। इन कुवैती सांसदों ने अपनी सरकार और दुनिया की अन्य सरकारों से मांग की कि वे भारत के खिलाफ राजनयिक, आर्थिक और मीडिया दबाव बनाएं ताकि पैगंबर का अपमान रुके और भारतीय मुस्लिमों के खिलाफ हमले बंद हो। कुवैत के सांसदों का यह जहरीला बयान ऐसे समय पर आया है जब खुद उसने पैगंबर विवाद में अपने देश में प्रदर्शन कर रहे प्रवासी प्रदर्शनकारियों को अरेस्ट करके निकालने का फैसला किया है। कुवैत ने पिछले दिनों कहा था कि पैगंबर को लेकर नूपुर शर्मा के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले सभी प्रदर्शनकारियों को निकालने जा रहा है। कुवैत का कहना है कि प्रदर्शनकारियों ने प्रदर्शन करके देश के कानूनों और नियमों का उल्लंघन किया है। कुवैत के स्थानीय कानून के मुताबिक प्रवासियों का कुवैत में प्रदर्शन करना पूरी तरह से बैन है। कुवैत के अधिकारी प्रदर्शन करने वाले प्रवासियों को गिरफ्तार करके उन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया में हैं।

कोविड कहर फिर बढ़ा, मौतों के आंकड़ों में इजाफा, डब्ल्यूएचओ ने दुनिया को किया आगाह

जिनेवा। वैश्विक महामारी कोविड के वायरस ने एक बार फिर अपने तेवर तीखे कर दिए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि कोरोना वायरस से होने वाले मौतों में गिरावट के पांच हफ्तों बाद दुनियाभर में मृतकों की संख्या पिछले हफ्ते चार प्रतिशत तक बढ़ी है। संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी ने गुरुवार को जारी महामारी के अपने साप्ताहिक आकलन में कहा कि पिछले हफ्ते कोविड-19 से 8,700 लोगों की मौत हुई, जिनमें से अमेरिका में 21 प्रतिशत और पश्चिमी प्रशांत देशों में 17 प्रतिशत तक मौतों की संख्या बढ़ी। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि कोरोना वायरस के मामले लगातार कम हो रहे हैं, जिनमें से करीब 32 लाख नए मामले पिछले हफ्ते सामने आए। कुछ क्षेत्रों में संक्रमण के मामलों में अब भी वृद्धि हो रही है और पश्चिम एशिया तथा दक्षिणपूर्व एशिया में क्रमशः 58 फीसदी और 33 फीसदी की वृद्धि हुई। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अदानोम गेब्रेयेसस ने इस हफ्ते की शुरुआत में कहा, 'क्योंकि कई देशों ने निगरानी और जांच कम कर दी है तो हम जानते हैं कि यह संख्या कम है।' यूरोप और उत्तरी अमेरिका में कई अमीर देशों ने वायरस संबंधित पाबंदियां कम कर दी हैं लेकिन चीन ने कोविड-19 संबंधी नीतियों को और सख्त कर दिया है, जिसका मतलब है कि अधिक व्यापक पैमाने पर जांच और पृथक वास। चीन की राजधानी बीजिंग में तो कई स्कूलों को फिर से ऑनलाइन कर दिया गया है। वहीं, आउटडोर गेम को भी तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है। चीनी अधिकारियों ने एक बार फिर से शंघाई में टेस्टिंग तेज कर दी है।

गन कल्चर से कांपा अमेरिका, अल्बामा, फिलाडेल्फिया, टेक्सास में बढ़ी गोलीबारी की घटनाएं

वॉशिंगटन । अमेरिका में बढ़ती फायरिंग की घटनाओं के चलते आम जनता में दहशत बढ़ रही है। यहां गन कल्चर और आर्म्स एक्ट के कारण गोलीबारी की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। गुरुवार को अल्बामा के एक चर्च में हुई गोलीबारी में 2 लोगों की मौत हो गई। ये घटना मई-जून में हुई गोलीबारी की हाई-प्रोफाइल वारदात में एक है। इसकी शुरुआत एक नस्लवादी हमले से हुई। न्यूयॉर्क के बफ़ेलो में एक सुपरमार्केट में 10 अश्वेत लोगों को गोली मार दी गई थी। अमेरिका में हाल के सप्ताहों में हुई बंदूक हिंसा से पूरा देश सहमा है।

बर्मिंघम उपनगर के सेंट स्टीफंस एपिस्कोपल चर्च में गुरुवार शाम हुई गोलीबारी में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और एक अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने कहा कि एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है।

डंकनविल, टेक्सास में पुलिस ने यहां एक ऐसे शख्स का एनकाउंटर किया, जिसने सोमवार को डलास-क्षेत्र के जिम में ताबड़तोड़ गोलियां चलाई थीं। इस जिम में एक डे कैंप में कम से कम 150 बच्चे शामिल हुए थे। इनमें से कइयों की मौत हो गई थी। चैट्टानूगा, टेनेसी में 5 जून को एक रेस्तरां के सामने हुई गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई और 14 लोग घायल हो गए। तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

जिनेवा में विश्व व्यापार संगठन के महानिदेशक नगोजी ओवेला को भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बधाई दी।

पाकिस्तान ने अमेरिका से समर्थन मांगा, आईएमएफ को लेकर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) वित्त कार्यक्रम को फिर से शुरू करने के लिए अमेरिका से सहयोग मांगा है। पाकिस्तान सरकार के अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के कड़े कदम उठाने के दावों के बावजूद आईएमएफ ने समझौता करने के लिए अबतक सहमति नहीं जाहिर की है। मामले की जानकारी रखने वाले दो सूत्रों के हवाले से कहा, पाकिस्तान सरकार की आर्थिक टीम ने यहां अमेरिकी राजदूत डोनाल्ड ब्लोम से मुलाकात की। टीम ने इस दौरान सरकार की तरफ से उठाए कदमों के आधार पर अमेरिका से समर्थन मांगा। रिपोर्ट में कहा गया कि वित्त मंत्री मिफ्ता इस्माइल और वित्त राज्य मंत्री डॉ आयशा पाशा ने अमेरिका का समर्थन प्राप्त करने के लिए अमेरिकी दूत से मुलाकात की। सूत्रों ने बताया कि मुलाकात के दौरान ब्लोम से आईएमएफ कार्यक्रम फिर से शुरू करने में समर्थन मांगा गया। साथ ही अर्थव्यवस्था में स्थिरता के लिए उठाए कदमों के बारे में अवगत कराया गया। पाकिस्तान के वित्त मंत्रालय ने इस बारे में फिलहाल कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। पूर्व सरकार के प्रतिबद्धताओं को पूरा नहीं कर पाने से पाकिस्तान-आईएमएफ कार्यक्रम इस साल मार्च से अटक गया है।

भारत में जलवायु परिवर्तन और आपदाओं के कारण 2021 में 50 लाख लोग विस्थापित हुए : संयुक्त राष्ट्र संघ

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2021 में जलवायु परिवर्तन तथा आपदाओं के कारण भारत में करीब 50 लाख लोगों को देश में ही अपना घर छोड़कर कहीं और विस्थापित होना पड़ा। 'यूएन रिफ्यूजी एजेंसी' (यूएनएचसीआर) की वार्षिक 'ग्लोबल ट्रेंड्स रिपोर्ट' के अनुसार पिछले साल हिंसा, मानवाधिकारों के हनन, खाद्य असुरक्षा, जलवायु संकट, यूक्रेन में युद्ध और अफ्रीका से अफगानिस्तान तक अन्य आपात स्थितियों के कारण वैश्विक स्तर पर 10 करोड़ लोग अपना घर छोड़ने को मजबूर हुए।

रिपोर्ट में कहा गया, आंतरिक विस्थापन निगरानी केंद्र (आईडीएमसी) के अनुसार 2021 में आपदाओं के कारण विश्व में 2.37

करोड़ लोग अपने ही देश में अपना घर छोड़ने को मजबूर हुए। यह संख्या उससे पिछले साल की तुलना में 70 लाख या 23 प्रतिशत कम है। ये मामले संघर्ष एवं हिंसा के कारण आंतरिक रूप से विस्थापित (देश की सीमा से बाहर नहीं जाने वाले) लोगों के अतिरिक्त हैं। रिपोर्ट के अनुसार, '' 2021 में आपदाओं के कारण चीन में सबसे अधिक 60 लाख लोग, फिलीपीन के 57 लाख और भारत में 49 लाख लोग विस्थापित हुए। इसमें से अधिकतर लोगों ने आपदा के कारण अस्थायी तौर ही अपने घर छोड़े थे।'

रिपोर्ट में कहा गया कि देश में ही आंतरिक रूप से विस्थापित हुए अधिकतर लोग अपने गृह क्षेत्रों में लौट आए हैं, लेकिन साल के अंत तक दुनियाभर में आपदाओं के कारण विस्थापित हुए 59 लाख लोग अब भी अपने घर नहीं लौट पाए थे। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी ने कहा कि पिछले एक दशक में हर साल अपने घर छोड़ने के लिए मजबूर होने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि हुई। 2021 के अंत तक युद्ध, हिंसा, उत्पीड़न और मानवाधिकारों के हनन के कारण विस्थापित हुए लोगों की संख्या 8.93 करोड़ थी, जो एक साल पहले की तुलना में आठ प्रतिशत अधिक और 10 साल पहले के आंकड़े से दोगुने से भी अधिक है।

आतंकवादी अब्दुल रहमान मक्की को चीन क्यों बचा रहा?

-यूएन की काली सूची में डालने की हो रही कवायद

जिनेवा (एजेंसी)।

पाकिस्तान के साथ चीन का याराना इस कदर हावी है कि वह पाकिस्तानी आतंकवादी अब्दुल रहमान मक्की को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की प्रतिबंधित सूची में शामिल करने के अमेरिका एवं भारत के संयुक्त प्रस्ताव को आखिरी क्षण में बाधित कर दिया। अमेरिका और भारत ने सुरक्षा परिषद की अल कायदा प्रतिबंध समिति के तहत मक्की को एक वैश्विक आतंकवादी घोषित किए जाने के लिए संयुक्त प्रस्ताव पेश किया था। अमेरिका पहले ही मक्की को आतंकवादी घोषित कर चुका है। मक्की लश्कर-ए-तैयबा के सरगना एवं 26/11 मुंबई हमलों के मुख्य साजिशकर्ता हाफिज सईद का रिश्तेदार है। ऐसा बताया जा रहा है कि भारत और अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 आईएसआईएल (दाएश) और अल कायदा प्रतिबंध समिति के तहत मक्की को वैश्विक आतंकवादी घोषित किए जाने के लिए एक संयुक्त प्रस्ताव पेश किया था, लेकिन चीन ने इस प्रस्ताव को अंतिम क्षण में बाधित कर दिया।

पाकिस्तान के मित्र देश चीन ने भारत और उसके सहयोगियों द्वारा

पाकिस्तानी आतंकवादियों को सूचीबद्ध करने के प्रयासों को इससे पहले भी कई बार बाधित किया है। भारत ने मई 2019 में संयुक्त राष्ट्र में एक बड़ी राजनयिक जीत हासिल की थी, जब वैश्विक निकाय ने पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मसूद अजहर को 'वैश्विक आतंकवादी' घोषित कर दिया था। ऐसा करने में भारत को करीब एक दशक का समय लग गया था। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 15 सदस्यीय निकाय में चीन एक मात्र ऐसा देश था, जिसने अजहर को कालीसूची में डालने के प्रयासों को बाधित करने की कोशिश की थी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पांच राष्ट्र- अमेरिका, ब्रिटेन, चीन, फ्रांस और रूस स्थायी सदस्य हैं। इनके पास 'वीटो' का अधिकार है यानी यदि उनमें से किसी एक ने भी परिषद के किसी प्रस्ताव के विपक्ष में वोट डाला तो वह प्रस्ताव पास नहीं होगा।

पाकिस्तान में टीटीपी आतंकियों ने की अलग इस्लामिक देश बनाने का ऐलान

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

अफगानिस्तान की राह पर अब पाकिस्तान भी चल पड़ा है। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकियों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कबायली इलाके में शरिया कानूनी से शासित क्षेत्र बनाने की मांग है। टीटीपी ने अलग इस्लामिक देश के लिए जिहाद का ऐलान भी किया है। पाकिस्तान के खिलाफ जिहाद के ऐलान से शहबाज शरीफ सरकार घबरा गई है। पाकिस्तानी सैनिकों के सैकड़ों बच्चों की हत्या करने वाले टीटीपी आतंकियों को मनाने के लिए अब शहबाज सरकार पाकिस्तानी मौलानाओं का एक दल अफगानिस्तान भेज रही है।

ये मौलाना टीटीपी आतंकियों और पाकिस्तान सरकार के बीच मध्यस्थता कर रहे तालिबानी गृहमंत्री सिराजुद्दीन हक्कानी से मुलाकात करेंगे।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार पाकिस्तान सरकार चाहती है कि टीटीपी शरिया कानून से शासित इलाका बनाने और जिहाद के ऐलान से पीछे हट जाए, लेकिन आतंकी अभी भी अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, एक स्थानीय जिरगा (स्थानीय नेताओं का समूह) टीटीपी को केवल सीजफायर के लिए मना सकी है। पाकिस्तान के 13 मौलाना अब काबुल जा रहे हैं। इसके प्रमुख मुफ्ती ताकी उस्मानी बताए जा रहे हैं। इसमें खैबर-पख्तूनख्वा इलाके के उलेमा भी शामिल किए जाएंगे जिनका हक्कानी नेटवर्क के साथ करीबी संबंध है। टीटीपी के प्रवक्ता ने भी पुष्टि की है कि पाकिस्तानी दल काबुल आ रहा है।

चीन ने अपना पहला स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर लांच

बीजिंग (एजेंसी)।

दक्षिण चीन सागर से लेकर हिंद महासागर तक समुद्र पर राज करने के मंसूबे रखने वाले चीन ने अपना पहला स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर लांच किया है। टाइप-003 श्रेणी का यह एयरक्राफ्ट कैरियर अपने आकार में अमेरिका के एयरक्राफ्ट कैरियर फोर्ड और निमित्ज को टक्कर देता है। अमेरिका के बाद चीन ऐसा दूसरा देश है जिसने इतने विशाल और अत्याधुनिक एयरक्राफ्ट कैरियर को बनाने में सफलता हासिल की है। यह चीन का तीसरा एयरक्राफ्ट कैरियर है। भारतीय नौसेना के पास भी एयरक्राफ्ट कैरियर हैं, लेकिन वे चीनी एयरक्राफ्ट कैरियर से बहुत छोटे हैं। बताया जा रहा है कि चीनी एयरक्राफ्ट कैरियर की विस्थापन क्षमता 85 हजार टन से लेकर 1 लाख टन के बीच है। यह करीब 300 मीटर लंबा है और 78 मीटर चौड़ा है।

यह चीन के वैश्विक सुपरपावर बनने के प्रयासों की दिशा में महत?वपूर्ण कदम है। चीनी मीडिया ने टाइप-003 एयरक्राफ्ट कैरियर को लांच करने की पुष्टि की है। यह चीन का अब तक का सबसे बड़ा और सबसे ज्यादा ताकतवर एयरक्राफ्ट कैरियर है। इस कैरियर को चीन ने फूजिआन नाम दिया है, इस 17 जून को शंघाई शहर में लांच किया गया। करीब 10 साल पहले चीन की नौसेना में पहला एयरक्राफ्ट कैरियर शामिल हुआ था। अब फूजियान के शामिल होने के बाद चीनी ड्रैगन की ताकत कई गुना बढ़ेगी। चीन की नौसेना ब्लू वॉटर नेवी बनना चाहता है ताकि वह प्रशांत महासागर से लेकर हिंद महासागर तक आसानी से आ जा सके। चीन की नौसेना दुनिया में सबसे बड़ी है, एयरक्राफ्ट कैरियर चीन के सैन्य उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बन गया है।

स्विस बैंकों में भारतीयों का धन बीते साल 50 प्रतिशत बढ़कर 30,500 करोड़ रुपये हुआ

नयी दिल्ली/ज्यूरिख (एजेंसी)।

स्विट्ज़रलैंड के बैंकों में भारतीयों कंपनियों और लोगों का धन 2021 के दौरान 50 प्रतिशत बढ़कर 14 साल के उच्चस्तर 3.83 अरब स्विस फैंक (30,500 करोड़ रुपये से अधिक) पर पहुंच गया है। इसमें भारत में स्विट्ज़रलैंड के बैंकों की शाखाओं और अन्य वित्तीय संस्थानों में जमा धन भी शामिल है।

स्विट्ज़रलैंड के केंद्रीय बैंक (एसएनबी) की तरफ से बृहस्पतिवार को जारी वार्षिक आंकड़ों के अनुसार, प्रतिभूतियों समेत इससे जुड़े साधनों के जरिये हिस्सेदारी तथा ग्राहकों की जमा बढ़ने से स्विस बैंकों में भारतीयों का धन बढ़ा है। इससे पहले वर्ष 2020 के अंत तक स्विट्ज़रलैंड के बैंकों में भारतीय का धन 2.55 अरब स्विस फैंक (20,700 करोड़ रुपये) था। इसके अलावा, भारतीय ग्राहकों के बचत या जमा खातों में जमा राशि दो साल की गिरावट की बाद 2021 में लगभग 4,800 करोड़ रुपये के सात साल के उच्चस्तर पर पहुंच गई।

आंकड़ों के अनुसार, स्विट्ज़रलैंड के बैंकों

पर 2021 के अंत तक भारतीय ग्राहकों की कुल देनदारी 383.19 करोड़ स्विस फैंक है। इसमें से 60.20 करोड़ स्विस फैंक ग्राहकों की जमा राशि के रूप में हैं, जबकि 122.5 करोड़ स्विस फैंक अन्य बैंकों के जरिये रखे गए हैं और 30 लाख स्विस फैंक न्यासों आदि के जरिये है। ये आंकड़े स्विट्ज़रलैंड की बैंकों की तरफ से एसएनबी को दिए गए है। ये स्विस बैंकों में कथित रूप से भारतीयों के काले धन को नहीं दर्शाते हैं। इन आंकड़ों में वह धन भी शामिल नहीं है जो भारतीयों, प्रवासी भारतीयों या अन्य लोगों के पास स्विस बैंकों में किसी तीसरे देश की इकाइयों केनाम पर हो सकता है। स्विस सरकार हालांकि स्विट्ज़रलैंड के बैंकों में जमा भारतीयों के धन को 'काला धन' नहीं मानती है। स्विट्ज़रलैंड का कहना है कि उसने कर चोरी के खिलाफ लड़ाई में हमेशा सक्रिय रूप से भारत का समर्थन किया है। आंकड़ों के अनुसार, विदेशी ग्राहकों की बात की जाए, तो स्विस बैंकों में ब्रिटेन का 379 अरब स्विस फ्रैंक जमा है, जो सबसे अधिक है। इसके बाद अमेरिका के ग्राहकों का स्विस बैंकों में 168 अरब स्विस फ्रैंक है। 100 अरब से अधिक जमा वाले ग्राहकों की सूची में केवल अमेरिका और ब्रिटेन शामिल हैं। वहीं, स्विस बैंकों में पैसा रखने वाले दस शीर्ष देशों की सूची में वेस्ट इंडीज, जर्मनी, फ्रांस, सिंगापुर, हांगकांग, बाहमास, नीदरलैंड, केमन आइलैंड और साइप्रस शामिल है। इस सूची में भारत का स्थान पोलैंड, दक्षिण कोरिया, स्वीडन, बांग्लादेश और पकिस्तान जैसे देशों से पहले यानी 44वें नंबर पर है। पाकिस्तान के नागरिकों की जमा राशि भी स्विस बैंकों में बढ़कर 71.2 करोड़ स्विस फ्रैंक और बांग्लादेश के ग्राहकों की जमा राशि बढ़कर 87.2 करोड़ स्विस फ्रैंक हो गई। भारत के साथ बंगलादेश और पकिस्तान जैसे पड़ोसी देशों में भी स्विस बैंकों में कथित काला धन हमेशा से चर्चाओं में रहा है।

अमेरिका भारत के साथ खड़ा है! बाइडेन प्रशासन ने क्यों दिया ऐसा बयान

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन का कहना है कि अमेरिका भारत के साथ खड़ा है और कहा कि रूस के साथ भारत के संबंध कई दशकों में विकसित हुए जब वाशिंगटन इसके लिए तैयार नहीं था। विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने बृहस्पतिवार को अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हमने अपने भारतीय भागीदारों के साथ कई दौर चर्चा की है और सभी बिंदुओं पर विचार करने के बाद हमारा निष्कर्ष यही निकला है कि हर देश का रूस के साथ अलग संबंध है।'' उन्होंने कहा कि रूस के साथ भारत के संबंध कई दशकों में विकसित हुए हैं।

प्राइस ने कहा, ''यह दशकों के दौरान विकसित हुआ है, जब अमेरिका इसके लिए तैयार नहीं था या भारत सरकार के लिए पसंद का भागीदार नहीं बन पाया था।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन अब स्थितियां बदल चुकी हैं। भारत के साथ संबंध एक द्विदलीय परंपरा की विरासत है जो अब दो दशकों से अधिक समय से चली आ रही है। दोनों देशों का संबंध वास्तव में पूर्व राष्ट्रपति (बिल) क्लिंटन प्रशासन के साथ बढ़ना शुरू हुआ, निश्चित रूप से पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश प्रशासन में भारत के साथ अमेरिका की साझेदारी बढ़ी और वह भारत के लिए पसंद का भागीदार बनने का इच्छुक हुआ, जिसमें सुरक्षा क्षेत्र की बात भी शामिल है।'' प्राइस ने कहा कि यह दिनों, हफ्तों या महीनों के दौरान बनी साझेदारी नहीं है।

उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, ''मैंने पहले भी कहा था कि रूस के साथ भारत के संबंध कई दशकों के दौरान विकसित हुए हैं, क्योंकि कई देश मास्को के साथ अपने संबंधों को नए सिरे से विकसित कर रहे हैं, जैसा कि हमने उनमें से कई को करते देखा है। यह एक क्रमिक प्रक्रिया होगी।'' प्राइस ने कहा, ''लेकिन इस सब के दौरान, हमने अपने भारतीय भागीदारों को स्पष्ट कर दिया है कि हम उनके साथ खड़े हैं। हम तैयार और सक्षम हैं और उनके साथ साझेदारी करने के इच्छुक हैं।'' उन्होंने कहा, ''बेशक, हमने अपने भारतीय भागीदारों के साथ 'टू प्लस टू' संवाद बहुत पहले नहीं किया था। आई2यू2 के संदर्भ में हम एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देखेंगे। आई2यू2 में भारत के

अलावा हमारे साथ संयुक्त अरब अमीरात और इजराइल भी है। भारत हमारे साथ कई साझेदारियों में शामिल हो रहा है, जिसमें निश्चित रूप से क्वाड भी शामिल है।'' उन्होंने कहा, ''यह एक ऐसा समूह है जिसे यह प्रशासन पुनर्जीवित करना चाहता है और इसने बहुत उच्च स्तर पर ऐसा किया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राष्ट्रपति चुनाव

राष्ट्रपति चुनाव में नीतीश कुमार और नवीन पटनायक के स्टैंड पर बीजेपी की निगाहें

नई दिल्ली ।
राष्ट्रपति चुनाव पर भाजपा के केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा को विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं से बात करने का जिम्मा दिया गया है। भाजपा पार्टियों के बीच आम सहमति बनाने की कोशिश कर रही है। दोनों नेताओं ने विभिन्न राजनीतिक दलों के मुखियाओं से बात भी शुरू कर दी है। भगवा पार्टी का ध्यान तीन नेताओं - नीतीश कुमार, नवीन पटनायक और जगन मोहन रेड्डी के स्टैंड पर है। भाजपा की तरफ से चुनावी मैदान में उतरने वाले राष्ट्रपति उम्मीदवार को बीजेडी और वाईएसआर कांग्रेस जैसी कुछ पार्टियों के समर्थन की आवश्यक्ता होगी। बुधवार को राजनाथ सिंह ने इस मुद्दे पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के अलावा कुछ अन्य प्रमुख विपक्षी नेताओं से फोन पर बात की। राष्ट्रपति चुनाव में किसका समर्थन करना है इसके लिए जद(यू) ने नीतीश कुमार को अधिकृत किया है। जद (यू) को लेकर इसलिए भी उत्सुकता अधिक है क्योंकि उसने पिछले दो राष्ट्रपति चुनावों में गठबंधन लाइन से अलग हटकर उम्मीदवारों का समर्थन किया था। 2012 में जब नीतीश कुमार एनडीए में थे तब उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार प्रणब मुखर्जी का समर्थन किया था। एक साल बाद 2013 में नीतीश ने एनडीए के साथ गठबंधन तोड़ दिया और विपक्षी यूपीए के साथ जुड़ गए। 2017 में जब नीतीश महागठबंधन में थे तो उन्होंने राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में एनडीए के उम्मीदवार रामनाथ कोविंद का समर्थन किया। कोविंद उस समय बिहार के राज्यपाल थे और नीतीश ने इसे अपना समर्थन देने का एक कारण बताया। उसी वर्ष उन्होंने राजद और कांग्रेस के साथ गठबंधन तोड़ दिया और फिर से एनडीए में शामिल हो गए। आपको बता दें कि बीते दिनों केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान कई मुद्दों पर चर्चा करने के लिए नीतीश कुमार से मिलने बिहार गए थे। हालांकि, नीतीश कुमार के एनडीए उम्मीदवार का समर्थन नहीं करने का कोई कारण नहीं दिखता है। लेकिन वह आखिरी वक्त तक अपने टलनपत्ते खोलने के लिए जाने जाते हैं.। हाल ही में उनकी पार्टी के नेताओं ने मांग की कि उन्हें राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया जाए। हालांकि, नीतीश कुमार ने खुद इस दौड़ में शामिल होने की बात से इनकार कर दिया। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने अब तक विपक्षी दलों से दूरी बनाए रखी है और संसद में कई मुद्दों पर एनडीए सरकार के साथ खड़े रहे हैं। जगन ने हाल ही में पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की थी। भाजपा नेताओं के आने वाले दिनों में उनसे संपर्क करने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि अगले कुछ दिनों में भगवा पार्टी उम्मीदवार की घोषणा कर देगी।

धार्मिक स्थलों, रेस्तराओं में रात 10 बजे से सुबह 6 बजे के बीच लाउडस्पीकर नहीं: कर्नाटक हाईकोर्ट

(एजेंसी)

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को धार्मिक स्थलों, पब और रेस्तराओं सहित कहीं भी रात 10 बजे से सुबह छह बजे के बीच लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर प्रतिबंध को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया है। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रितु राज अवस्थी और न्यायमूर्ति अशोक एस किनागी की खंडपीठ ने अधिकारियों को लाउडस्पीकर, सार्वजनिक संबोधन प्रणालियों और वाद्य यंत्रों के दुरुपयोग को रोकने के लिए अभियान चलाने तथा तीन सप्ताह में अदालत को कार्रवाई की रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा, ''संबंधित अधिकारियों को उचित कार्रवाई करने की आवश्यकता है और वे रात 10 बजे से सुबह छह बजे तक लाउडस्पीकर, सार्वजनिक संबोधन प्रणाली और अनुमेय डेसिबल से अधिक ध्वनि उत्पन्न करने वाले संगीत वाद्य यंत्रों के उपयोग की अनुमति नहीं देंगे।'' संबंधित याचिका पर पिछली सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया था कि अधिकारियों ने कुछ प्रतिष्ठानों और धार्मिक स्थलों को लाउडस्पीकर का इस्तेमाल करने के लिए अवैध रूप से ''स्थायी लाइसेंस'' दिया था। हालांकि, सरकारी वकील ने अदालत को बताया कि ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम और पुलिस अधिनियम के तहत ऐसा कोई लाइसेंस नहीं दिया गया है। अदालत ने इस बयान को दर्ज किया और अधिकारियों को अभियान चलाने तथा रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। याचिका पर सुनवाई तीन सप्ताह के लिए स्थगित कर दी गई है। यह याचिका राकेश पी ने 2021 में दायर की थी।

हिंसा करने वाले व्यक्तियों को छोड़ा नहीं जाएगा, उनकी सूची तैयार हो रही : विज

गुरुग्राम । सेना की नई भर्ती योजना 'अग्निपथ को लेकर हरियाणा में दूसरे दिन भी विरोध प्रदर्शन जारी रहा। बता दें कि अग्निपथ योजना से नाराज युवाओं ने सड़कों पर पहिए जलाए, तब कुछ युवा नरवाना में रेल पटरियों पर बैठकर जींद-बठिंडा रेल मार्ग को अवरुद्ध किया। इसी बीच हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज का बयान सामने आया। उन्होंने कहा कि तोड़फोड़ करने वाले सेना में जाने वाले नहीं हो सकते हैं, वहां पर तब अनुशासित लोग जाते हैं। गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि विरोध प्रदर्शन करना हर व्यक्ति का हक है, लेकिन तोड़फोड़ करने वाले, आगजनी करने वाले लोग सेना में जाने वाले नहीं हो सकते हैं, सेना में अनुशासित लोग जाते हैं। हमारे देश में कुछ इसतरह के तत्व हैं, जो हर समय इसतरह के मौकों की तलाश में रहते हैं, कि देश की शांति को भंग किया जा सके। इस किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। तोड़फोड़ करने वाले व्यक्तियों को छोड़ा नहीं जाएगा। उनकी सूची तैयार की जा रही है जो लोग आगजनी और तोड़फोड़ में शामिल हैं। इस बीच भाजपा नेता राज्यवर्धन सिंह ने बताया कि पूरे 2 साल के गहन अध्ययन के बाद भारतीय सेना इस तरह की योजना लेकर आई है, जिसमें इन बातों का ध्यान रखा गया है कि किस तरह से भारत की सेना आधुनिक हो सके, किस तरह ज्यादा युवाओं को सेना में आने का अवसर मिल सके।

15 हजार की राशि के भुगतान पर ओटीपी नहीं हैं आवश्यक : आरबीआई

नई दिल्ली । बैंकों की शीर्ष नियामक संस्था भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बिना ओटीपी के 15 हजार रुपये तक की राशि पर ऑटो डेबिट के नियम को लागू कर दिया है। इस नए नियम के तहत 15 हजार रुपये तक का भुगतान होने की स्थिति में आपको वेरिफाई या मंजूरी के लिए ओटीपी एंटर करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। 10 हजार थी सीमा- अब तक यह नियम 10 हजार रुपये के लिए था। इससे अधिक रकम की ऑटो डेबिट होने पर यूजर को वेरिफाई करने के लिए ओटीपी एंटर करना अनिवार्य था। अब इस लिमिट को 5 हजार रुपये बढ़ाकर 15 हजार कर देने से उन यूजर्स को बड़ी राहत मिलेगी, जिन्हें अधिक भुगतान करना होता है। इसमें डेबिट, क्रेडिट कार्ड या मोबाइल वॉलेट आदि से भुगतान करना शामिल है। बीते दिनों आरबीआई ने मौद्रिक नीति की समीक्षा के बाद इस नए नियम के बारे में जानकारी दी थी। अब इसको लेकर आरबीआई ने एक सर्कुलर जारी कर दिया है। आरबीआई के मुताबिक इस सुविधा को लेकर लोगों की दिलचस्पी बढ़ी है और अब तक इस ढांचे के तहत 6.25 करोड़ से अधिक मैंडेट रजिस्टर्ड किए गए हैं, जिसमें 3,400 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय व्यापारी शामिल हैं। इस सुविधा के तहत बैंक को भुगतान के दिन से 24 घंटे पहले मैसेज, ईमेल आदि के जरिए जानकारी देना जरूरी है।

अग्निपथ योजना विरोध: सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान सुप्रीम कोर्ट के गाइडलाइन के खिलाफ

नई दिल्ली:
केंद्र की 'अग्निपथ' सैन्य भर्ती योजना के खिलाफ कई राज्यों में व्यापक हिंसक विरोध और सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान कानूनी सिद्धांतों के मूल और इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए विभिन्न निर्णयों में सुप्रीम कोर्ट द्वारा पारित निर्देशों के खिलाफ है। अतीत में, शीर्ष अदालत ने निजी व्यक्तियों के हिंसक विरोध और प्रदर्शनों में 'निराशाजनक वृद्धि' संबंधी ऐसी घटनाओं में लिप्त लोगों के साथ सख्ती से निपटने का काम किया तथा यह भी देखा कि 'किसी को भी कानून का स्वयंभू संरक्षक बनने का अधिकार नहीं है और न ही कोई दूसरों पर कानून की अपनी व्याख्या जबरन थोप सकता है।'' शीर्ष अदालत द्वारा मुद्दे पर अग्रसक्रिय ढंग से काम किए जाने के बाद पिछले कुछ वर्षों में, संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले हिंसक विरोध प्रदर्शनों में शामिल संगठनों के नेताओं पर मुकदमा चलाने, इस तरह की घटनाओं पर उच्च न्यायालयों से स्वतः संज्ञान लेने के लिए कहने और पीड़ितों को मुआवजा देने जैसे कई महत्वपूर्ण निर्देश देखे गए हैं। हाल के वर्षों में, जब भी सरकारी नीतियों तथा अन्य मुद्दों को लेकर हिंसा की व्यापक घटनाएं हुई हैं, शीर्ष अदालत ने अधिकारियों से उन लोगों पर जवाबदेही तय करने को कहा है जो सार्वजनिक और निजी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाते हैं। शीर्ष अदालत ने 2007 में व्यापक स्तर पर हिंसा और सार्वजनिक संपत्तियों के नुकसान की घटनाओं पर स्वतः संज्ञान लिया और सिफारिशें देने के लिए दो समितियों का गठन किया। अदालत ने 16 अप्रैल, 2009 को न्यायमूर्ति के टी थॉमस, शीर्ष अदालत के सेवानिवृत्त न्यायाधीश, और प्रसिद्ध न्यायविद एफएस नरीमन के नेतृत्व वाली दो समितियों की सिफारिशों पर ध्यान दिया और कहा कि सुझाव अत्यंत महत्वपूर्ण हैं तथा वे पर्याप्त दिशा-निर्देश देने वाले हैं जिन्हें अपनाए जाने की अवश्यकता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए गेम चेंजर साबित हो सकती है इस बार की मानसूनी वर्षा

नई दिल्ली ।
भारत में मानसून के आगमन की आधिकारिक तारीख 1 जून मानी जाती है। गर्मी से राहत देने के अलावा दक्षिण-पश्चिम या ग्रीष्म मानसून देश में कृषि उत्पादन के लिए भी महत्वपूर्ण है। मौसम विभाग (आईएमडी) के डेटा के अनुसार भारत में एक जून से 15 जून तक 48.04 मिमी बारिश हुई है, जो 1901 के बाद से 37वीं सबसे कम बारिश है। यह 1961-2010 के समान 15 दिनों में भारत में औसतन हुई 63 मिमी वर्षा से 24 फीसदी कम है। इस साल मानसून को रफ्तार पकड़ने के लिए अभी बहुत समय बाकी है। हालांकि पूरे भरोसे के साथ कहा जा सकता है, कि इस बार का मानसून सीजन भारत के लिए महत्वपूर्ण है, वहीं कई मायनों में अर्थव्यवस्था के लिए गेम चेंजर साबित हो सकती है। भारत में मानसून के दौरान अच्छी बारिश और खरीफ फसलों के उत्पादन बीच एक मजबूत सकारात्मक संबंध है ही, इसका असर रबी सीजन की फसलों पर भी पड़ता है। यह जलाशयों में जल स्तर और मिट्टी में नमी की मात्रा जैसे कारकों पर निर्भर करता है। सीधे शब्दों में कहें तो भारत में खराब मानसून का मतलब खराब फसल से है, जिसका मतलब विषम परिस्थितियों में कृषि उत्पादन में कमी से भी हो सकता है। भारत में हर बार फसल उत्पादन में कमी आई है, जब मानसून की बारिश लंबी अवधि के औसत से कम रही है। अन्यथा, फसल उत्पादन वृद्धि और मानसून प्रदर्शन एक मजबूत सहसंबंध दिखाते हैं। इस बार समय से पहले गर्मी की लहर शुरू होने के कारण, रबी सीजन के कृषि उत्पादन, विशेष रूप से गेहूं के भारत में काफी कम होने की उम्मीद है। कृषि मंत्रालय की ओर से 16 फरवरी, 2021-22 को जारी दूसरे अग्रिम अनुमान के मुताबिक देश में गेहूं का उत्पादन 11.13 करोड़ टन रहने का अनुमान था। 19 मई को जारी तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार इस अनुमान को घटाकर 106.4 मिलियन टन कर दिया गया है। बाहरी अनुमान और भी बड़ी कमी की आशंका जताते हैं।

उदाहरण के लिए, यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर (यूएसडीए) की 25 मई की रिपोर्ट में भारत का 2021-22 में गेहूं उत्पादन 110 मिलियन टन के अपने अनुमान से कम रहकर, सिर्फ 99 मिलियन टन होने की उम्मीद है। धान के उत्पादन पर कोई प्रतिकूल प्रभाव, जो भारत में खरीफ मौसम की मुख्य फसल है, देश में खाद्यान्न आपूर्ति और मुद्रास्फीति की स्थिति को और बढ़ा देगा। एक और कारण है जो भारत में इस साल मानसून के बेहतर प्रदर्शन को अत्यंत महत्वपूर्ण बना देता है, वह है अंतरराष्ट्रीय खाद्य बाजारों की स्थिति।

कैंडिडेट को लेकर फिर चौंकाने की तैयारी में बीजेपी इन नामों की हो रही चर्चा

नई दिल्ली ।
राष्ट्रपति चुनाव के उम्मीदवार को लेकर विपक्ष की तरफ से तो कई नामों की चर्चा हो रही है, लेकिन सत्ता पक्ष ने अभी तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं। साल 2017 में भी जब भाजपा की तरफ से बिहार के तत्कालीन राज्यपाल रामनाथ कोविंद का नाम राष्ट्रपति चुनाव के लिए बतौर उम्मीदवार घोषित किया गया तो लोग चौंक गए थे। बुधवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी नेता ममता बनर्जी ने विपक्षी नेताओं की एक बैठक की, जिसमें कांग्रेस के लोग भी शामिल थे। एक संयुक्त राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के नामों पर चर्चा करने का फैसला किया। आप (दिल्ली और पंजाब), टीआरएस (तेलंगाना), वाईएसआरसीपी (आंध्र प्रदेश), शिअद (पंजाब) और बीजद (ओडिशा) जैसी पार्टियों में से कोई भी आमंत्रण के बावजूद बैठक में शामिल नहीं हुई। वामपंथी विचार-विमर्श का हिस्सा जरूर थे, लेकिन ममता बनर्जी के एकतरफा कार्यों से खुश नहीं हैं। बैठक में दो नामों का सुझाव दिया गया है। पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल और महात्मा गांधी के पोते गोपालकृष्ण गांधी और जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला के नाम पर बैठक में चर्चा हुई दूसरी तरफ, सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के खेमे के बारे में ज्यादा बात नहीं की जा रही है, जिसका चुनाव जीतना लगभग तय है। 21 जुलाई को नतीजे घोषित किए जाएंगे। वर्तमान सियासी स्थिति को दखते एनडीए बनाम विपक्ष से ज्यादा एनडीए के संभावित नामों की चर्चा अधिक हो रही है। 2002 में एनडीए ने एपीजे अब्दुल कलाम को भारत के राष्ट्रपति पद के लिए अपना उम्मीदवार बनाया। इस कदम ने विपक्षी कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (उत्तर प्रदेश) और टीडीपी (आंध्र प्रदेश) जैसे क्षेत्रीय दलों को स्तब्ध कर दिया था। इन्होंने अंततः देश के शीर्ष संवैधानिक पद के लिए भारत के 'मिसाइल मैन' का समर्थन किया। उनमें ममता बनर्जी भी शामिल थीं अब्दुल कलाम तमिलनाडु से ताल्लुक रखते थे और राज्य की दो मुख्य पार्टियों अन्नाद्रमुक और द्रमुक के पास उनका विरोध करने का कोई कारण नहीं था। एकमात्र अपवाद वामपंथी थे जिन्होंने स्वतंत्रता सेनानी लक्ष्मी सहगल को मैदान में उतारा जो एकतरफा मुकाबले में हार गईं।

स्विस बैंकों में भारतीयों का धन बढ़कर 30,500 करोड़ हुआ

- वर्ष 2020 के अंत तक स्विस बैंकों में भारतीय का धन 2.55 अरब स्विस फ्रैंक था

नई दिल्ली ।

स्विट्ज़रलैंड के बैंकों में भारतीयों कंपनियों और लोगों का धन 2021 के दौरान 50 प्रतिशत बढ़कर 14 साल के उच्चस्तर 3.83 अरब स्विस फ्रैंक (30,500 करोड़ रुपए से अधिक) पर पहुंच गया है। इसमें भारत में स्विट्ज़रलैंड के बैंकों की शाखाओं और अन्य वित्तीय संस्थानों में जमा धन भी शामिल है। स्विट्ज़रलैंड के केंद्रीय बैंक (एसएनबी) की तरफ से जारी वार्षिक आंकड़ों के अनुसार, प्रतिभूतियों समेत इससे जुड़े साधनों के जरिये हिस्सेदारी तथा ग्राहकों की जमा बढ़ने से स्विस बैंकों में भारतीयों का धन बढ़ा है।इससे पहले वर्ष 2020 के अंत तक स्विट्ज़रलैंड के बैंकों में भारतीय का धन 2.55 अरब स्विस फ्रैंक (20,700 करोड़ रुपए) था। इसके अलावा, भारतीय ग्राहकों के बचत या जमा खातों में जमा राशि दो साल की गिरावट की बाद 2021 में लगभग 4,800 करोड़ रुपए के सात साल के उच्चस्तर पर पहुंच गई। आंकड़ों के अनुसार स्विट्ज़रलैंड के बैंकों पर 2021 के अंत तक भारतीय ग्राहकों की कुल देनदारी 383.19 करोड़ स्विस फ्रैंक है। इसमें से 60.20 करोड़ स्विस फ्रैंक ग्राहकों की जमा राशि के रूप में हैं, जबकि 122.5 करोड़ स्विस फ्रैंक अन्य बैंकों के जरिये रखे गए हैं और 30 लाख स्विस फ्रैंक न्यासों आदि के जरिये है। ये आंकड़े स्विट्ज़रलैंड की बैंकों की तरफ से एसएनबी को दिए गए है। ये स्विस बैंकों में कथित रूप से भारतीयों के काले धन को नहीं दर्शाते हैं। इन आंकड़ों में वह धन भी शामिल नहीं है जो भारतीयों, प्रवासी भारतीयों या अन्य लोगों के पास स्विस बैंकों में किसी तीसरे देश की इकाइयों के नाम पर हो सकता है।

स्विस सरकार हालांकि स्विट्ज़रलैंड के बैंकों में जमा भारतीयों के धन को काला धन नहीं मानती है। स्विट्ज़रलैंड का कहना है कि उसने कर चोरी के खिलाफ लड़ाई में हमेशा सक्रिय रूप से भारत का समर्थन किया है। आंकड़ों के अनुसार विदेशी ग्राहकों की बात की जाए, तो स्विस बैंकों में ब्रिटेन का 379 अरब स्विस फ्रैंक जमा है, जो सबसे अधिक है। इसके बाद अमेरिका के ग्राहकों का स्विस बैंकों में 168 अरब स्विस फ्रैंक है। 100 अरब से अधिक जमा वाले ग्राहकों की सूची में केवल अमेरिका और ब्रिटेन शामिल हैं। वहीं स्विस बैंकों में पैसा रखने वाले दस शीर्ष देशों की सूची में वेस्ट इंडीज, जर्मनी, फ्रांस, सिंगापुर, हांगकांग, बाहमास, नीदरलैंड, केमन आइलैंड और साइप्रस शामिल है। इस सूची में भारत का स्थान पोलैंड, दक्षिण कोरिया, स्वीडन, बांग्लादेश और पकिस्तान जैसे देशों से पहले यानी 44वें नंबर पर है। पाकिस्तान के नागरिकों की जमा राशि भी स्विस बैंकों में बढ़कर 71.2 करोड़ स्विस फ्रैंक और बांग्लादेश के ग्राहकों की जमा राशि बढ़कर 87.2 करोड़ स्विस फ्रैंक हो गई। भारत के साथ बंगलादेश और पकिस्तान जैसे पड़ोसी देशों में भी स्विस बैंकों में कथित काला धन हमेशा से चर्चाओं में रहा है।

संक्षिप्त समाचार

अग्निपथ' योजना को वापस लेकर युवाओं से मॉफी मांगे पीएम नरेन्द्र मोदी, कांग्रेस की मांग

नई दिल्ली । कांग्रेस ने 'अग्निपथ' योजना को देशहित के विरूद्ध करार देकर कहा कि इस योजना को तत्काल वापस ले और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं सरकार को देश के नौजवानों से माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस ने कहा कि सेना की भर्ती की आयुसीमा में तीन साल की छूट दी जाए तथा जरूरत पड़े तब रक्षा एवं सेना से जुड़े पूरे मामले पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र या सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने ट्वीट किया, अग्निपथ- नौजवानों ने नकारा, कृषि कानून -किसानों ने नकारा, नोटबंद-अर्थशास्त्रियों ने नकारा, जीएसटी-व्यापारियों ने नकारा। उन्होंने आरोप लगाया, 'देश की जनता क्या चाहती है, ये बात प्रधानमंत्री नहीं समझते क्योंकि उन्हें अपने 'मित्रों' की आवाज के अलावा कुछ सुनाई नहीं देता।' पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने ट्वीट किया, 24 घंटे भी नहीं बीते कि मोदी सरकार को नई आर्मी भर्ती का नियम बदलना पड़ा। मतलब, योजना जल्दबाजी में युवाओं पर थोपी जा रही है।' उन्होंने कहा, 'नरेंद्र मोदी जी, इस योजना को तुरंत वापस लीजिए, वायुसेना की रुकी भर्तियों में नियुक्ति और परिणाम दीजिए। सेना भर्ती को (आयु में छूट देकर) पहले की तरह कीजिए।' कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा, ''यह योजना सेना के हित में नहीं है। यह भारत के हित में नहीं है। इस सरकार को दूसरे देशों की नकल करने की आदत हो गई है। वह सेना और देश के हितों के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकती। उनका कहना है, सेना में दो लाख से अधिक पद खाली हैं। भर्ती प्रक्रिया तत्काल आरंभ की जाए। देश की सुरक्षा, सेना और देशभक्ति की भावना में कोई वाणिज्यिक हित नहीं हो सकता।'' हुड्डा ने केंद्र से आग्रह किया, अग्निपथ योजना को अविलंब वापस लिया जाए। भर्ती की आयुसीमा में तीन साल की छूट दी जाए क्योंकि तीन साल से भर्ती नहीं हुई। जिन काबिल नौजवानों ने आत्महत्या की, उनके परिवारों को मुआवजा दे। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री, रक्षामंत्री और पूरी सरकार देश के नौजवानों से माफी मांगे। हुड्डा ने कहा, सरकार को सेना पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। राष्ट्रनीति के तहत काम करना चाहिए। रक्षा, सेना और इससे जुड़े मुद्दों पर जरूरी हो, तब संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए या फिर सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए। उल्लेखनीय है कि सरकार ने दशकों पुरानी रक्षा भर्ती प्रक्रिया में आमूल-चूल परिवर्तन करते हुए तीनों सेनाओं में सैनिकों की भर्ती संबंधी 'अग्निपथ' योजना की मंगलवार को घोषणा की थी, जिसके तहत सैनिकों की भर्ती चार साल की अवधि के लिए संविदा आधार पर की जाएगी।

देश से बाहर चले जाएं दंगाई फेसबुक पोस्ट करने वाली लड़की बंगाल में अरेस्ट मिली जमानत

नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल में मुर्शिदाबाद के बेलडांगा की एक 19 वर्षीय लड़की को बरहामपुर जिला अदालत से जमानत मिल गई। पुलिस ने 11 जून को ऐशानी बिस्वास को उसके विवादास्पद फेसबुक पोस्ट को लेकर गिरफ्तार किया था, जिसमें उसने मांग की थी कि ÷दंगाइयों को देश से भगा दिया जाए।÷ रिपोर्ट के मुताबिक, लड़की के वकील चितरंजन दास ने कहा, ÷बेलडांगा के ऐशानी विश्वास और सागरपाड़ा के सुदेशना मंडल नाम के दो किशोरों को गुरुवार को बरहामपुर जिला अदालत में पेश किया गया। जिला अदालत की सीजेएम अपर्णा चौधरी ने कुछ शर्तों के साथ उन्हें जमानत दे दी। पिछले हफ्ते बंगाल के मुर्शिदाबाद में विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया था। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर ईंटों से हमला किया, जब उन्होंने एनएच-34 के पास भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश की। पश्चिम बंगाल पुलिस ने भी भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे। भाजपा की निलंबित प्रवक्ता नूपुर शर्मा की ओर से पैगंबर मुहम्मद के खिलाफ की गई टिप्पणी को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ था। वहीं, पैगंबर मोहम्मद पर टिप्पणी को लेकर हिंसा की हालिया घटनाओं के खिलाफ बजरंग दल ने देश भर में विरोध प्रदर्शन किया और राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) से इसकी जांच की मांग की।

बारातियों को नहीं मिली रसमलाई टूट गई शादी, पुलिस में एफआईआर दर्ज

संभल । बिटिया की शादी को लेकर घर में खुशियों का माहौल था। दुल्हन हाथों में मेहंदी लगाए और लाल जोड़े में हजारों सपने संजोए बैठी थी। परिवार में नाच-गाना चल रहा था। बारात भी तय समय पर पहुंची और बारातियों का जोरदार स्वागत किया गया। लेकिन शादी में आए दूल्हे के कुछ दोस्तों और रिश्तेदारों ने शराब पी रखी थी और वहां बार-बार रसमलाई की डिमांड कर रहे थे। रसमलाई न मिलने से विवाद इतना बढ़ गया कि शादी ही टूट गई। संभल जिले का यह पूरा मामला है। यहां एक गांव में बारातियों और घरातियों के बीच छोटी-सी बात पर बवाल इतना मच गया कि शादी ही टूट गई। दुल्हन पक्ष ने जब चार लोगों के खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज कराई, तब अगले दिन शादी हुई। यह घटना 15 जून की है। दुल्हन पक्ष ने बारातियों के स्वागत के लिए पूरा इंतजाम किया था। लेकिन रसमलाई न मिलने पर विवाद इतना बढ़ गया कि बारात दुल्हन को विदा करवाए बिना ही लौट गई। इससे दुल्हन के परिवार की खुशियां काफूर हो गईं। दुल्हन पक्ष ने चार लोगों के खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज कराई। इसके बाद दूसरे दिन 16 जून को दूल्हे पक्ष और दुल्हन पक्ष के बीच बातचीत होकर समझौता हुआ। फिर से दोनों परिवारों ने अधूरी शादी कराई और दुल्हन की विदाई हुई।

हिमाचल में आप का बढ़ा राजनीतिक दबदबा

नई दिल्ली । हिमाचल प्रदेश में 2022 के अंत तक विधानसभा चुनाव होने हैं। आम आदमी पार्टी (आप) ने राज्य में पैठ बनाकर राजनीतिक परिस्थितियों को बदल दिया है। आप के राष्ट्रीय संयोजक व दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल और अन्य नेता राज्य में पार्टी को तीसरी ताकत के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं, जहां लोगों ने कभी सत्ता के लिए तीसरे मोर्चे को वोट नहीं दिया। हालांकि, राज्य में पहली बार 1998 में गठबंधन सरकार देखी गई थी, जब स्वर्गीय सुख राम की ओर से शुरू की गई हिमाचल विकास कांग्रेस ने भाजपा के साथ गठबंधन किया था। अरविंद केजरीवाल हाल ही में हिमाचल के तीन दौरे कर चुके हैं। हमीरपुर, कांगड़ा और मंडी दौरों के दौरान सत्ताधारी भाजपा और विपक्षी कांग्रेस उनके निशाने पर रही। केजरीवाल न केवल उन निर्वाचन क्षेत्रों को निशाना बना रहे हैं, जिन्हें अक्सर भाजपा का पॉकेट कहा जाता है, बल्कि विकास से जुड़े मुद्दे भी उठा रहे हैं। वह अपनी रैलियों और बातचीत में राजनीतिक भ्रष्टाचार, स्कूलों में शिक्षकों की कमी, खराब स्वास्थ्य सुविधाओं, बेरोजगारी और बढ़ती कीमतों के मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हैं। परंपरागत रूप से, हिमाचल प्रदेश में मतदाता पांच साल के अंतराल के बाद रिबूट कर रहे हैं और पिछले 35 वर्षों के दौरान कभी भी सरकार को दोहराया नहीं है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

15 हज़ार से अधिक श्रमिकों वाले GIDC में श्रमयोगियों के रहने के लिए बनेगा 'श्रम निकेतन'

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में गुजरात सरकार ने राज्य के औद्योगिक क्षेत्रों में रोज़गार प्राप्त करने वाले श्रमयोगियों तथा उनके आश्रितों के लिए एक अभिनव पहल शुरू की है। राज्य सरकार के श्रम कौशल विभाग एवं रोज़गार विभाग संचालित श्रमयोगी कल्याण बोर्ड द्वारा श्रम निकेतन योजना क्रियान्वित की गई है। जिन औद्योगिक क्षेत्रों में 15 हज़ार से अधिक श्रमिक कार्यरत होंगे, उन औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमयोगियों के रहने के लिए श्रम निकेतन बनाए जाएँगे। इस उद्देश्य से राज्य के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों के संगठनों के साथ विचार-विमर्श कर श्रम निकेतन का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। देश के ग्रोथ इंजन समान गुजरात में बड़े पैमाने पर संचालित उद्योगों में रोज़गार के लिए आने वाले अन्य राज्यों के श्रमयोगियों को इस प्रकार के श्रम निकेतन हॉस्टेल की सुविधा प्रदान की जाएगी। श्रमयोगियों के जीवन स्तर को देखते हुए ऐसे हॉस्टेल से उनके रहने की समस्या का काफ़ी हद तक निराकरण लाया जा सकेगा।

गुजरात में इस प्रकार के प्रथम श्रम निकेतन शुरू करने के लिए शुक्रवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में साणंद जीआईडीसी इंडस्ट्रियल एसोसिएशन, वेलफ़ेयर कमिशनर, श्रमयोगी कल्याण बोर्ड के बीच MoU हुआ।यह श्रम निकेतन-हॉस्टल हॉस्टेल ग्राउण्ड फ़्लोर के अलावा 7 मंज़िला होगा और 4,138 वर्ग मीटर में तैयार किया जाएगा।

श्रमयोगी कल्याण केन्द्र, बहुउद्देशीय हॉल, डाइनिंग हॉल जैसी आधुनिक सुविधाओं से सज्ज यह श्रम निकेतन-हॉस्टल लगभग 10 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से पीपीपी आधार पर 28 महीनों में बन कर तैयार होगा। साणंद जीआईडीसी इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के सहयोग से बनने होने वाले इस हॉस्टेल में लगभग 1 हज़ार से अधिक श्रमिक रहेंगे। इतना ही नहीं, श्रम निकेतन-हॉस्टल में सिंगल ऑक्यूपैंसी, डबल ऑक्यूपैंसी तथा 4, 8, 12 और 24 व्यक्तियों के रह सकने योग्य कमरों का निर्माण किया जाएगा।

इस MoU पर साणंद जीआईडीसी इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष अजित शाह तथ राज्य सरकार की ओर से वेलफ़ेयर कमिशनर (कल्याण आयुक्त) दिगंत ब्रह्मभट्ट ने हस्ताक्षर किए।

इस MoU पर हस्ताक्षर के अवसर पर मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव पंकज जोशी, प्रधान श्रम कौशल विकास एवं रोज़गार सचिव डॉ. श्रीमती अंजू शर्मा, श्रम आयुक्त अनुपम आनंद उपस्थित थे।

सुरत के थानों में बेटियों ने माँ-बाप के खिलाफ दिया अर्जी, प्रेम-प्रकरण की ज्यादातर अर्जी में बने कारण

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सुरत, सुरत में एक इस प्रकार की घटनाक्रम समाने आया जो अपने माता-पिता के खिलाफ ही बेटियों ने अलग-अलग कई आवदेन थानों में आये जिसमें ज्यादातर थानों में अर्जी के कारणों कई जानकारी के लिए जाँच किया गया तो प्रेम-प्रकरण की घटना ज्यादातार होने से बेटियों में मानसिकता बदल गई हैं जो इस प्रकार की घटना पर समाज सेवक के ओर से जागरूकता की कमी भी एक जवाबदार माना जा रहा है? समाज के लिए भी कई सवाल स्वाभाविक रूप से उठते हैं।समाज के युवाओं की मानसिकता बहुत बदल रही है। सरथाना थाना क्षेत्र में 18 वर्ष से अधिक उम्र की युवतियों के खिलाफ 300 से अधिक शिकायतें अपने माता-पिता की मर्जी के खिलाफ शादी करने की और 13 से 17 साल की उम्र वालों के खिलाफ 23 शिकायतें अपने माता-पिता के खिलाफ प्राप्त हुई हैं। ' इच्छा। यदि नाबालिग भी अपने माता-पिता की अवज्ञा में युवक-युवतियों से शादी करने की तैयारी कर रहे हैं, तो स्वाभाविक रूप से समाज के लिए भी कई सवाल उठते हैं। घर की बेटियों को भी इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वे अपने मोबाइल का ज्यादा गलत इस्तेमाल न करें और इस बात पर भी नजर रखें कि वे किसके साथ समय बिता रही हैं। बच्चों पर अत्यधिक ध्यान देने की आवश्यकता

ने आगे कहा कि यह माता-पिता की पहली जिम्मेदारी है कि बच्चों में संस्कारों का समावेश हो। अपने बच्चों के साथ रहने के लिए इस बात पर अत्यधिक ध्यान देने की आवश्यकता है कि वे अपना समय कैसे व्यतीत करते हैं। प्रमुखस्वामी और पांडुरंग आठवले जैसे धार्मिक गुरुकहते रहे कि हमें हाउस मीटिंग करनी है। ताकि बच्चों के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताया जा सके और उनमें संस्कार डाले जा सकें। अगर आज हमारे परिवार की बेटियां अपने माता-पिता की मर्जी के खिलाफ शादी करने की मानसिकता के साथ सामने आती हैं, तो यह कहना सही होगा कि उनके पीछे हमारे संस्कारों की ठीक से सिंचाई नहीं की गई है। माता-पिता को चाहिए कि वे अपने परिवार के बच्चों से दोस्ती करें। ताकि वे अपने परिवार और माता-पिता से दैनिक दिनचर्या के दौरान बात कर सकें।

पीएम मोदी पावागढ़ में बिराजमान कालिका माता के नवनिर्मित शिखर पर करेंगे ध्वजारोहण

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार, 18 जून को पंचमहाल जिले के सुप्रसिद्ध तीर्थ धाम पावागढ़ की यात्रा पर पहुंच रहे हैं। प्रधानमंत्री पूर्वाह्न 11.00 बजे पावागढ़ पहुंचेंगे। यहां शास्त्रोक्त विधि के अनुसार पूजा के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों पावागढ़ मंदिर में ध्वजारोहण होगा। यह बात इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि ध्वजारोहण के साथ पावागढ़ तीर्थ धाम का गौरवशाली इतिहास भी जुड़ा हुआ है। आइए, जानते हैं कि किस तरह इस पूरे कार्य को संपन्न कर इतिहास को बदलने वाले विकास यज्ञ को गति दी गई। पंद्रहवीं शताब्दी में पावागढ़ पर हमला होने के बाद गत पांच सदियों से मंदिर का शिखर जर्जरित अवस्था में था। अब इस शिखर को नए रंगरूप के साथ आधुनिक शैली में तैयार किया गया है। सर्वप्रथम पावागढ़ पहाड़ की चोटी को विशाल कर बड़े परिसर की बुनियाद रखी गई। उसके बाद परिसर की पहली और दूसरी मंजिल पर अनुषांगिक सुविधाओं की व्यवस्था की गई। महाकाली माता के गर्भगृह में मूल स्थापन को यथावत रखते हुए संपूर्ण मंदिर को नया बनाया गया। इसके अतिरिक्त मुख्य मंदिर और चौक को भी विशाल बनाया गया है। माताजी के पुराने मंदिर में शिखर के ठीक ऊपर बनी दरगाह को समझौते के जरिए हटाकर नया शिखर बनाया गया, जिस पर ध्वजदंडक को पुन:स्थापित किया गया है।

पावागढ़ मंदिर के शिखर पर कलश और ध्वजदंड को सोने से मढ़ा

अभी मंदिर में श्रद्धालुओं की सहूलियत के लिए विश्राम गृह, शुद्ध पेयजल, नए और सुविधा युक्त शौचालय के साथ ही स्ट्रीट लाइट की सुविधा खड़ी की गई है। इसके साथ ही मंदिर की पुरानी और उबड़-खाबड़ सीढ़ियों की स्थान पर बड़ी-चौड़ी और सुव्यवस्थित सीढ़ियों का निर्माण किया गया है। मांची से रोप-वे के अपर स्टेशन तक 2200 सीढ़ियों तथा अपर स्टेशन से दूधिया तालाब होकर माताजी के मंदिर तक 500 सीढ़ियों का नवनिर्माण किया गया है।

उल्लेखनीय है कि मंदिर का जीर्णोद्धार कार्य लगभग 12 करोड़ रुपए की लागत से ट्रस्ट द्वारा संपन्न किया गया है। वहीं, मंदिर के अलावा समग्र परिसर के विकास कार्यों के लिए किए गए लगभग 125 करोड़ रुपए के खर्च में से 70 फीसदी गुजरात सरकार के पवित्र यात्राधाम बोर्ड की ओर से और 30 फीसदी खर्च ट्रस्ट की ओर से किया गया है। आगामी समय में यज्ञ शाला, दूधिया तालाब के पास बृहद भोजनशाला और श्रद्धालुओं-पर्यटकों के रात ठहरने के लिए भक्ति निवास सुविधा तथा छासिया तालाब के निकट से सीधे माताजी के मंदिर तक पहुंचाने वाली दो बड़ी लिफ्ट भी लगाई जाएगी।

इसके साथ ही पावागढ़ पर्वत पर माताजी के मंदिर के समग्र परिसर की प्रदक्षिणा करने के लिए दूधिया और छासिया तालाब को जोड़ने वाला प्रदक्षिणा पथ तैयार किया जाएगा। मांची के पास अतिथि गृह और मल्टी लेवल पार्किंग का निर्माण किया जाएगा। आसपास के पर्वतों पर वन विभाग के सहयोग से बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण करने का आयोजन है।

मोदी सरकार के द्वेषपूर्ण कार्यवाही के विरोध में गुजरात कांग्रेस का राज्यभर में प्रदर्शन

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

कांग्रेस नेता राहुल गांधी से ईडी की पूछताछ के विरोध में गुजरात कांग्रेस ने राज्य के 33 जिले और 8 महानगरों में धरना-प्रदर्शन किया। राज्यव्यापी धरना-प्रदर्शन में कांग्रेस ने केन्द्र सरकार की बदले की कार्यवाही के खिलाफ उग्र प्रदर्शन और नारेबाजी की। इस दौरान कई जगह पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। गुजरात प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता मनीष दोशी ने बताया कि लगातार जनता की आवाज बुलंद कर रहे राहुल गांधी से मोदी सरकार इतना डर गई है कि केन्द्रीय एजंसियों का दुरुपयोग कर रही है। लेकिन सत्य को कभी दबाया नहीं जा सकता और ना ही झुकाया जा सकता है। भाजपा की द्वेषपूर्ण राजनीति से लोकतंत्र के लिए खतरा पैदा हो गया है। राहुल गांधी सामान्य-मध्यम वर्ग, शोषित, वंचित, गरीब, किसान, दलित समेत लोगों को आवाज मजबूती के साथ उठाते रहे हैं। जिससे बौखलाई सरकार कांग्रेस के नेताओं को डराने के लिए विभिन्न एजंसियों का दुरुपयोग कर रही है। लेकिन कांग्रेस ना कभी झुकी है और ना डरी है और आगे भी ऐसी किसी भी कार्यवाही से डरने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि देश में रुपया डॉलर के मुकाबले काफी गिर गया है, बैंक का निजीकरण हो रहा है, एलआईसी जैसी संस्थाएं बिकने की कतार में हैं। देश में पेट्रोल-डीजल और गैस के दाम आसमान छू रहे हैं।